सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 254 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पंचतत्व में विलीन हुए प्रख्यात कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे, बेटे अभिषेक ने दी मुखाग्नि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे का आज शुक्रवार को रायपुर के मारवाड़ी श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र अभिषेक दुबे ने मुखाग्नि दी। इसके साथ ही वे पंचतत्व में विलीन हो गए। इस मौके पर प्रख्यात कवि और दुबे के करीबी दोस्त कवि कुमार विश्वास दिल्ली से रायपुर पहुंचे और पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, मंत्री राम विचार नेताम, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह, पद्मश्री मदन चौहान, पद्मश्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ी अभिनेता व गायक सुनील तिवारी, रायपुर नगर निगम के पूर्व सभापति प्रमोद दुबे समेत आदि गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय ने दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे के निवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. सुरेन्द्र दुबे का निधन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि समूचे साहित्यिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन का 6 नंबर प्लेटफार्म अब 1 ए में बदला

भिलाई। यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर रेल मंडल के दुर्ग रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 का नाम परिवर्तित कर प्लेटफार्म नंबर 1ए रखा गया हैं। इस संबंध में रेल मंडल रायपुर क डीआरएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है।

बता दें रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दयानंद द्वारा किए गए निरीक्षण में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया था। उन्हेंने कहा कि प्लेटफार्म नंबर 6 का नाम परिवर्तित कर प्लेटफार्म नंबर 1ए किया जाए। क्योंकि यह प्लेटफार्म नंबर 1 के समानांतर स्थित है। इससे यात्रियों को वन ए पर जाने में सुविधा रहेगी। डीआरएम के निर्देश क बाद इससे संबंधित आवश्यक कार्रवाई पूर्ण किया गया।

तेलंगाना के कोठागुडेम से छत्तीसगढ़ के किरंदुल तक बिछेगी रेलवे लाइन

अंतिम चरण में सर्वे, सुकमा-दंतेवाड़ा-बीजापुर जिलों को मिलेगी रेल कनेक्टिविटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में से एक बस्तर अंचल में विकास की गाड़ी अब तेजी पकड़ रही है। कोठागुडेम (तेलंगाना) से किरंदुल (छत्तीसगढ़) तक प्रस्तावित 160.33 किमी लंबी नई रेललाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे कार्य को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सर्वे अब अंतिम चरण में है। सर्वे का काम एक खास तकनीस से किया जा रहा है। जल्द ही सर्वे का काम पूरा होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद इस क्षेत्र के लोगों को भी रेलवे से सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी।

रेलवे द्वारा अत्याधुनिक लिडार तकनीक के माध्यम से सर्वे कार्य किया जा रहा है। यह रेललाइन परियोजना गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से मॉनिटर की जा रही है, और इसे आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय रेल विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया है, जिनके निर्देशों और समन्वय से यह सर्वे कार्य पुन: गति पकड़ सका।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से गुजरेगी रेलवे लाइन

इस प्रस्तावित रेललाइन का 138.51 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जो अब तक रेल कनेक्टिविटी से वंचित रहे हैं। यह परियोजना न केवल आवागमन को सरल बनाएगी, बल्कि इन जिलों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। यह रेलमार्ग भविष्य में बस्तर अंचल के लिए सुरक्षा, समावेशन और समृद्धि का प्रतीक बनने जा रहा है।

सीएम साय बोले- यह बस्तर की उम्मीद है

कोठागुडेमङ्किरंदुल रेललाइन केवल एक रेल परियोजना नहीं, बल्कि यह बस्तर के भीतर उम्मीद, विकास और विश्वास की पटरी बिछाने का कार्य है। यह रेलमार्ग नक्सल प्रभावित सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के लिए सामाजिक और आर्थिक बदलाव का द्वार खोलेगा, जहाँ के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षों से रेल कनेक्टिविटी एक सपना रही है। हम केंद्र सरकार के सहयोग और भारतीय रेल के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिनके समन्वय से यह सपना साकार हो रहा है।

आईसीसी ने किए प्लेइंग कंडीशन में बदलाव

टी-20 क्रिकेट का अब और बढ़ेगा रोमांच, पावर प्ले के बदले नियम

स्पोर्ट्स डेस्क। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने टी20 मैचों का रोमांच बढ़ाने प्लेइंग कंडीशन में बदलाव किए हैं। गुरुवार को आईसीसी मुख्यालय दुबई में हुई बैठक में इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान टी20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों की घोषणा की। ये नियम उन मैचों के लिए होंगे जो किसी कारण वश पूरे ओवर नहीं खेले जाते। यानी जिस मैच में ओवर कम किए जाते हैं उनके लिए यह नए नियम लागू होंगे। नए नियम जुलाई से लागू कर दिए जाएंगे।

मिली जानकारी के अनुसार यदि किसी पारी के शुरू होने से पहले ओवर घटाकर कम किए जा रहे हैं तो उनके लिए पावर प्ले कितने ओवर का होगा यह तय किया गया है। मान ले यदि मैच को आठ ओवर का कर दिया जाता है, तो उसमें अब 2.2 ओवर का पावरप्ले होगा। पावरप्ले के दौरान 30 यार्ड सर्कल के बाहर सिर्फ दो फील्डर्स रहेंगे। पहले अगर किसी पारी में आठ ओवर का खेल कर दिया जाता था तो तीन ओवर का पावरप्ले होता था।

पांच ओवर की पारी में 1.3 ओवर का पावरप्ले

इसी तरह नए नियम के मुताबिक, अब पांच ओवर की पारी में 1.3 ओवर का पावरप्ले होगा। आईसीसी की ओर से कहा गया है कि छह ओवर की पारी के लिए 1.5 ओवर पावरप्ले के होंगे, सात ओवर की पारी के लिए 2.1 ओवर पावरप्ले के होंगे, आठ ओवर की पारी के लिए 2.2 ओवर, जबकि नौ ओवर की पारी के लिए 2.4 ओवर पावरप्ले के होंगे। 10 ओवर की पारी के लिए तीन ओवर पावरप्ले के होंगे। 11 ओवर की पारी के लिए 3.2 ओवर पावरप्ले के होंगे, 12 ओवर की पारी के लिए 3.4 ओवर पावरप्ले के होंगे।

3 ओवर कम होने पर नहीं कटेंगे पावरप्ले के ओवर

इसी प्रकार, 13 ओवर की पारी के लिए 3.5 ओवर का पावरप्ले होगा, 14 ओवर की पारी के लिए 4.1 ओवर का पावरप्ले होगा, 15 ओवर की पारी के लिए 4.3 ओवर का पावरप्ले होगा और 16 ओवर की पारी के लिए 4.5 ओवर का पावरप्ले का नियम बनाया गया है। इससे ज्यादा ओवर की पारी होने पर पावरप्ले के ओवर्स नहीं कटेंगे , यानी छह ओवर का ही पावरप्ले होगा। आईसीसी द्वारा ओवर व पावर प्ले के रेसो को बरकरार रखने यह बदलाव किए हैं। माना जा रहा है कि इन बदलावों से टी-20 क्रिकेट का रोमांच और बढ़ जाएगा।

रथ यात्रा में शामिल हुए राज्यपाल डेका व सीएम साय, छेरापहरा की निभाई रस्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शुक्रवार को गायत्री नगर रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आयोजित महाप्रभु श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव में शामिल हुए। राज्यपाल श्री डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना कर 'छेरा-पहरा' की रस्म निभाई। राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी ने श्री जगन्नाथ जी की विधि-विधान से पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह पर्व ओडिशा के लिए जितना बड़ा उत्सव है, उतना ही बड़ा उत्सव छत्तीसगढ़ के लिए भी है। श्री साय ने कहा कि भगवान जगन्नाथ किसानों के रक्षक हैं। उन्हीं की कृपा से वर्षा होती है, धान की बालियों में दूध भरता है और किसानों के घरों में समृद्धि आती है। मैं भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ में भरपूर फसल हो। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा से मेरी विनती है कि वे हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमें शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की ओर अग्रसर करें।

राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में पुरी की रथ यात्रा की तर्ज पर यह पुरानी परंपरा निभाई जाती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छेरापहरा की रस्म पूरी करते हुए सोने की झाड़ू से मार्ग बुहारकर रथ यात्रा का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा को रथ तक ले जाकर विराजित किया। इस अवसर पर मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, धर्मलाल कौशिक आदि उपस्थित थे।

ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हुआ एनएसपीसीएल का एजीएम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साइबर फ्रॉड को लेकर जागरुकता के लिए दुर्ग पुलिस लाख कोशिशें कर रही है इसके बाद भी मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। कम पढ़े लिखे लोगों को लेकर एक बार कहा जा सकता है कि वे नासमझी में ठगी के शिकार हो रहे हैं लेकिन पढ़े लिखे और बड़े पदों पर काम करने वाले भी ठगों के पैंतरों को नहीं समझ पा रहे हैं। ताजा मामले में भिलाई नगर थाना क्षेत्र के एनएसपीसीएल टाऊनशीप रुआबांधा में रहने वाले एनएसपीसीएल के एजीएम ठगी का शिकार हो गए हैं। शातिर ठगों ने बैंक की केवाईसी अपडेट करने के नाम पर लगभग 90 हजार रुपए की ठगी कर ली। इस मामले में भिलाई नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफअपराध दर्ज विवेचना शुरू कर दी है।

इस मामले में डी 2/3 एनएसपीसीएल रुआबांधा भिलाई के रहने वाले मकरंद बक्षी (56) एनएसपीसीएल में एजीएम के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने भिलाई नगर थाने पहुंचकर अपने साथ हुई ठगी का पूरा ब्योरा दिया। उन्होंने बताया कि 17 जून 2025 को अंजान मोबाइल नंबर से उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉलर ने स्वयं को भारतीय स्टेट बैंक चेंबुर का ब्रांच मैनेजर बताया। इसके बाद उसने मकरंद बक्शी को मोगाइल ऐप में जाकर बैंक की केवाईसी अपडेट करने कहा।

मकरंद बक्शी ने केवाईसी अपडेट करने के लिए मोबाइल ऐप खोला लेकिन वह लॉगिन नहीं हुआ। इसके बाद कॉलर ने एजीएम से उनके दूसरे बैंक की जानकारी ली। मकरंद ने बिना सोचे समझे अपने एक्सीस बैंक की जानकारी कॉलर को दे दी। इसके बाद कॉलर ने वाट्सअप में एक कस्टमर सपोर्ट का एप भेजा जिसको ओपन करने पर एक लिंक क्लिक हो गया एवं तुरंत उनके मोबाइल मे ओटीपी आने लगा। हालांकि इससे उन्हें अहसास हो गया कि कुछ गड़बड़ हुई है। इसके बाद एजीएम ने फोन काटा और अपने बैंक का ट्रांजेक्शन लिमिट कम करने की कोशिश की। लेकिन उससे पहले ही उनके खाते से 19999, 19999, 19999, 19999 एवं 10000 रुपए से कुल मिलाकर 89996 रुपए निकल गए।

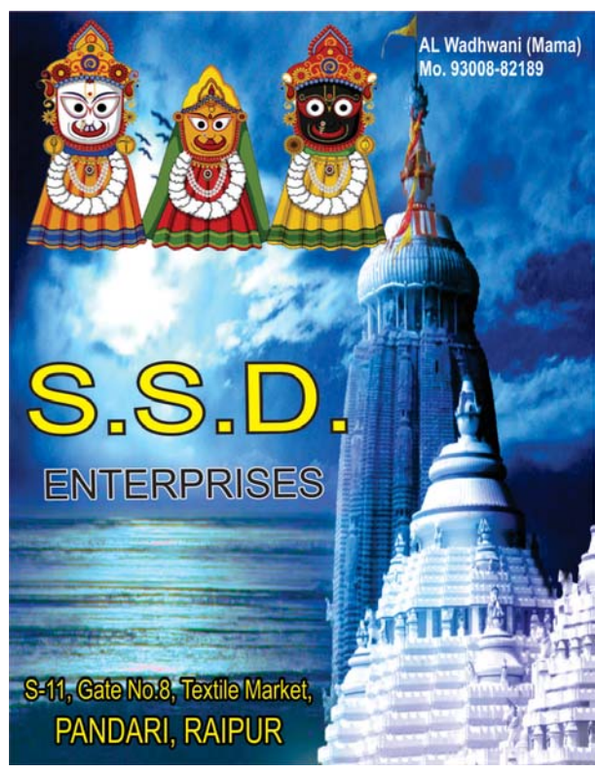

बच्चन साहब का ओवरडोज

श्रीकंचनपथ

अमिताभ बच्चन साहब ने जब आवाज की दुनिया में कदम रखा तो सबसे पहले उन्हें रिजेक्शन झेलना पड़ा। आकाशवाणी ने उनकी आवाज को रिजेक्ट कर दिया। आगे चलकर उनकी यही आवाज हिट हो गई। बच्चन साहब की आवाज के कायल सभी उम्र के स्त्री-पुरुष रहे हैं। पर इसी आवाज के ओवर डोज ने अब लोगों का जीना हराम कर दिया है। जैसे ही कोई क्यूआर स्कैन कर भुगतान करता है बच्चन साहब उसका धन्यवाद करने लग जाते हैं। इस सुविधा को अमिताभ बच्चन वॉइस फीचर' कहा जाता है। यह फीचर उपयोगकर्ताओं द्वारा किये गए भुगतान की पुष्टि करता है। सदी के महानायक की आवाज को सब्जी, फल और मनिहारी दुकानों पर पांच-दस रुपए का भुगतान प्राप्त करने और इसके लिए ग्राहक का धन्यवाद अदा करते हुए सुना जा सकता है। यहां तक तो फिर भी ठीक था। पर अब बच्चन साहब की आवाज लोगों को चिढ़ाने लगी है। फोन कितना भी अर्जेंट क्यों न हो, कॉल कनेक्ट होने से पहले बच्चन साहब की आवाज सुननी पड़ती है। लगभग 30 सेकंड के इस संदेश में बच्चन साहब लोगों को साइबर क्राइम से बचाव के लिए आगाह करते हैं। बच्चन साहब लोगों को बताते हैं कि अनजान वीडियो कॉल रिसीव करने से बचें। फोन पर मिलने वाली धमकियों से न डरें। अगर फिर भी कभी उनके साथ साइब फ्रॉड हो जाए तो वे 1930 पर डायल करें। अब सोशल मीडिया पर बच्चन साहब को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। लोग कह रहे हैं कि किसी की जान जा रही हो और उसने डाक्टर को कॉल किया हो तो पहले 30 सेकंड उसे फालतू का संदेश सुनना पड़ता है। एक ने तो यहां तक कह दिया कि 38 सेकंड में 242 जिंदगियां तबाह हो गईं। अगर इनमें से किसी ने फोन किया होता तो वह बच्चन साहब का संदेश सुनते-सुनते ही मर जाता। लोगों की इन शिकायतों का बच्चन साहब ने सोशल मीडिया पर ही जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह रिकॉर्डिंग सरकार के निर्देश पर की थी। इसे कितनी बार और किसे सुनाना है, यह फैसला भी सरकार का है। इसलिए लोगों को अपनी शिकायत सरकार के पास ले जाना चाहिए। वैसे सरकार भी करे तो क्या करे। थाली पीटने और नारे लगाकर लोगों को जागरूक करने जैसे फालतू के उपायों के अलावा वह कर भी क्या सकती है। डिजिटल ट्रांजैक्शन को लेकर पहले सरकार ही ज्यादा उत्साह में थी। अपढ़-कुपढ़ लोगों के देश में यह सुविधा किस तरह की मुसीबतों को जन्म दे सकती है, इसका उसे अंदाजा तक नहीं था। वैसे भी साइबर फ्रॉड का शिकार होने वालों में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से लेकर आईआईटी के इंजीनियर तक शामिल हैं। जागरूकता अभियान तो टाइम पास है। तंबाकू के पैकेट पर छपी डरावनी तस्वीरें, फिल्मों से पहले आने वाले संदेश, सड़क हादसों में फूटे हुए सिर जिन्हें डरा नहीं सके, बच्चन साहब उन्हें क्या सुधारेंगे।

संपादकीय

आपातकाल से तब ही बचेंगे जब उसे याद रखेंगे

जिस बुरी आदत, जिस बुरी घटना से बचना चाहता है देश और समाज, उसे उसको याद रखना पड़ता है। यही वजह है कि पीएम मोदी ने देश व समाज के लोग आपातकाल को कभी न भूलें इसके लिए 25जून को संविधान हत्या दिवस मनाने का फैसला किया है। देश व समाज हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाएगा तो उसे याद रहेगा कि इस देश में संविधान को इसी दिन कांग्रेस ने कुचला था, इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा दिया था। 25 जून याद करने का दिन है कांग्रेस ने ही देश में आपातकाल लगाया था, देश में फिर आपातकाल न लगे इसके लिए जरूरी है कि कांग्रेस फिर से सत्ता में न आ पाए। 25जून यह सोचने का दिन है इस देश में बहुत से राजनीतिक दल हुए लेकिन कांग्रेस ने ही क्यों देश में आपातकाल लगाया।

"आपातकाल वही लगा सकता है जिसके डीएनए में तानाशाही होती है, तानाशाह वह होते हैं जो परिवारवादी होते हैं। परिवारवादी होने का मतलब होता है कि हमारे लिए देश अहम नहीं है, हमारे लिए हमारा परिवार, उसका सत्ता में रहना, सबसे ज्यादा अहम है, सत्ता के आड़े संविधान, लोकतंत्र, देश का विपक्ष, देश की जनता जो भी आड़े आए उसे कुचल देने में कोई देरी नहीं की जाएगी। कोई नेता कोई परिवार ज्यादा दिन सत्ता में रह जाता है तो उसे वहम हो जाता है कि जनता के पास उसके अलावा कोई विकल्प नहीं है, वह कुछ भी करे जनता तो उसे ही चुनेगी, जनता उसे ही चुनने को विवश है। जनता परिवारवादी नेता को बार बार चुनती है तो परिवारवादी नेता को अहंकार हो जाता है कि उससे बड़ा कोई नहीं है, वह कुछ भी कर सकता है।

जब नेता को यह वहम हो जाता है कि वह देश में कुछ भी कर सकता है और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता तो देश आपातकाल की भूमिका तैयार होती है। हमारे देश की जनता की चेतना तो लोकतांत्रिक है, तानाशाही को सहन करने वाली नहीं है। यही वजह है कि इंदिरा गांधी ने जैसे ही देश में आपातकाल लगाया वैसे ही उसका विरोध शुरू हो गया। कहा जाता है कि देश में आपातकाल आंतरिक अशांति के कारण लगाया गया। हकीकत यह है कि 25 जून 1975 की आधी रात देश में तब की पीएम इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया इसलिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनका चुनाव भ्रष्ट आचरण,सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर रद्द कर दिया था। कांग्रेस व उसके नेता के डीएनए में लोकतांत्रिक चेतना होती वह कोर्ट के फैसले का सम्मान कर पद से इस्तीफा दे देती। देश में आपातकाल लगाने का फैसला शुध्द तौर पर सत्ता में बने रहने के लिए लिया गया था।

देश के विपक्ष के नेताओं व देश की जनता ने इसका विरोध किया तो कांग्रेस ने आपातकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं, को रौंदा, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को 21 माह तक कुचलकर स्पष्ट कर दिया था कि जब जब उनकी सत्ता संकट में होती है,वह लोकतंत्र, संविधान की हत्या करने से नहीं झिझकती है। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के विपक्ष के नेताओं के साथ खूब अन्याय, अत्याचार किया। इस दौरान देश के सारे बड़े से लेकर राज्य स्तर के नेता जेल में डाल दिए गए थे और महीनों तक उनकी सुनवाई नहीं हुई,वह महीनों जेल में रहे। इस दौरान किसी को कांग्रेस व इंदिरा गांधी के खिलाफ कुछ बोलने का अधिकार नहीं था। जिसने भी कहा वह जेल भेज दिया गया। प्रेस की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी,वही छपता जो सरकार चाहती थी,वहा छपता था जो सरकार कहती थी।

इसीलिए अमित शाह ने आपातकाल को अनूयाय काल कहा है। इसीलिए पीएम मोदी ने इसे लोकतंत्र का कालाअध्याय कहा है।इसीलिए पीएम मोदी ने आपातकाल के विरोध में संघर्ष करने वालों को नमन किया है। 25 जून 2025 को इसके पचास साल पूरे हो गए है, आज का दिन यह याद करने का दिन है कि आपातकाल अब देश में कभी नहीं लगने देना है और इसके लिए देश को देशविरोधी व परिवारवादी दलों से सावधान रहना होगा। वह माफी मांगने का नाटक करेंगे, वह उदार, देश भक्त होने का दावा करेंगे, वह खुद को लोकतंत्र, संविधान का रक्षक के रूप में पेश करेंगे लेकिन जनता को यह याद रखना है कि यही लोग फिर से लोकतंत्र में आपातकाल का काला अध्याय लिख सकते हैं।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिनभारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिनथाजब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसनेदेश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब लोकतंत्र की जननी कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाहीसरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीचइंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगलेदिन26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है- को संविधान की आत्मा कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बनेजिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट)के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था।

इस कालखंड मेंदेश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वेराजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बर्बादी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर थाऔर मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए-जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतुकाम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

ऐसे दौर में जबकिसामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गएऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षाकरने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद 'एडीएम जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एचआर खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय सेअपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में खन्ना कोवरिष्ठतम होने के बावजूद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था।

आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा करके लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा कोऔर अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नए शब्द सामाजिक, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गई। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किए गए और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गई। आपातकाल के बाद गठित शाह आयोग ने इतिहास के उन काले दिनों के दौरान ढेर सारे लोगों को बेवजह नजरबंद करने, गरीबों की जबरन नसबंदी करने और सत्ता के संस्थागत रूप से दुरूपयोग की भयावह तस्वीर प्रस्तुत की थी।

इस तानाशाही शासन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभप्रेसका भी गला घोंटा गया। जो पत्रकार सहानुभूतिपूर्वक विपक्षी नेताओं की खबरों कोप्रकाशित कर रहे थेउन्हें जेल भेजा गया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित सम्मानित नवजीवन प्रेस को जब्त कर लिया गया, यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर सीधा हमला था। चार प्रमुख समाचार एजेंसियों—प्रेस ट्रस्ट ऑफइंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती—को जबरदस्ती मिलाकर 'समाचार' नामक एक संस्था बना दी गई।

आज, 50 वर्ष बाद, कांग्रेस की दोहरी मानसिकता उजागर हो चुकी है—एक ओर वे 'संविधान बचाओ यात्रा' के नाम पर भ्रम फैलाते हैं, दूसरी ओर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए संविधान के अपमान पर चुप रहते हैं। राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को लोकसभा में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के इस भयावह काले अध्याय के बारे में गर्व से कहा, आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। यह कथन यह दर्शाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता सर्वोच्च है।

हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीउस समय मात्र 25 वर्ष के थे, लेकिन उन्होंने साहसपूर्वक इस तानाशाही शासन का विरोध किया। उन्होंने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से भूमिगत रहकर गुप्त बैठकों का आयोजन कियाऔर आपातकाल विरोधी साहित्य व पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन एवं वितरण में यत्न से जुटे रहे। जब आरएसएस को प्रतिबंधित कर दिए जाने के कारण इसे भूमिगत होना पड़ातब मोदी ने गुजरात लोक संघर्ष समिति के महासचिव के रूप में लोकतंत्र की रक्षा हेतु अहम भूमिका निभाई।

विगत में संविधान की आत्मा पर किए गए गहरेप्रहार की याद में मोदी सरकार ने 11 जुलाई 2024 को जारी की गई गजट अधिसूचना के माध्यम से25 जून का दिन 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की। यह दिन उस विश्वासघात की याद दिलाता है जो आपातकाल के दौरान संविधान के मूल सिद्धांतों के साथ किया गया था। यह प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र का जागरूक प्रहरी बनने की प्रेरणा देता है, ताकि हम इतिहास के उन काले अध्यायों से सीख प्राप्त करें और हम काफी यत्न से प्राप्त की गई स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा कर सकें। देश में आपातकाल का काला अध्याय50 वर्ष पहले समाप्त हो गया है लेकिन वह भयावह दौर हमें इस बात की याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें हमेशा सजग प्रहरी बने रहने की आवश्यकता है। हमारा संविधान पीढ़ियों की कुर्बानियों, बुद्धिमत्ता, आशाओं और आकांक्षाओं का परिणाम है। आज जब भारत हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विकसित भारत @ 2047' की ओर अग्रसर है, तो हमें एक जीवंत और विकसित लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण हेतुअपने नागरिकों के संकल्प से सामर्थ्य प्राप्त कर राष्ट्र की पवित्रता की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को एक बार फिर से दोहराने की आवश्यकता है।

सु-विचार

डिजिटल क्रांति : छत्तीसगढ़ में टेक्नोलॉजी से ट्रांसफॉरमेशन

हीरा देवांगन, संयुक्त संचालक

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ डिजिटल इंडिया के सपने को साकार कर रहा है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और तकनीकी नवाचारों के बल पर छत्तीसगढ़ डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक डिजिटल तकनीक ने शासकीय कामकाज को आसान एवं प्रभावी बनाया है।

प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से बुजुर्ग पेंशनरों, महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को नगद आहरण की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न योजनाओं की डीबीटी की राशि का ग्राम पंचायतों में ही नगद भुगतान की सुविधा होने से ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक नहीं जाना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मंत्रालय और संचालनालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद अब जिलों में भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कार्यालयीन कामकाज में कागजी कार्यवाही को न्यूनतम करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। इससे कार्यालयीन कामकाज में तेजी आई है एवं प्रक्रिया और पारदर्शी हुई है। इस पहल से फाईलों के निपटारे में अनावश्यक लेटलतीफी दूर हुई है त्वरित निर्णय हो रहे हैं। 10 डिजिटल सेवाओं की शुरुआत से जमीन की रजिस्ट्री आसान और पारदर्शी हो रही है। आधार प्रमाणीकरण से अपाईमेंट लेकर घर बैठे जमीन एवं मकान की रजिस्ट्री कराई जा रही है। रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वत: पूरी हो जाती है।

राजस्व प्रशासन को दुरूस्त करने छत्तीसगढ़ के 14 हजार 490 गांवों का जियो रिफ्रेंसिंग का महत्वाकांक्षी कार्य पूरा हो चुका है। इस तकनीक से भूमि संबंधी विवाद दूर होंगे। खरीफ वर्ष 2025-26 में डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु 14 हजार से अधिक गांवों का चयन किया गया है। ई-कोर्ट के माध्यम से राज्य में राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है। साथ ही, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की रीयल-टाइम निगरानी की जा रही है। शासकीय खरीदी में पारदर्शिता के लिए जेम पोर्टल को अनिवार्य किया गया है, जिससे शासकीय खरीद प्रक्रिया में निष्पक्षता और जवाबदेही बढ़ी है।

प्रदेश के पेंशनरों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाया गया है। पेंशनरों और कर्मचारियों के लिए डिजीलॉकर के माध्यम से महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे ई-पीपीओ, जीपीएफस्टेटमेंट, अंतिम भुगतान आदेश और पेंशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से शासकीय कर्मचारियों की सेवा जानकारी को अद्यतन करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ एआई के क्षेत्र में दुनिया से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित होने से प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इससे आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगी। छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग तक डिजिटल सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीजीएमएससीएल द्वारा ऐप के माध्यम से राज्य की दवा आपूर्ति श्रृंखला को रीयल-टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में समय पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर यह ऐप स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहा है।

खनिज विभाग द्वारा ऑनलाइन ट्रांजिट पास की सुविधा ने खनिजों के परिवहन को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया है। सीएमओ पोर्टल की शुरुआत ने नागरिकों और सरकार के बीच संवाद को और मजबूत किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की ये डिजिटल सेवाएं प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के साथ ही नागरिकों के जीवन को भी आसान बना रही हैं। इससे गांवों से लेकर शहरों तक हर वर्ग को डिजिटल क्रांति का लाभ मिल रहा है।

सेमीकंडक्टर बनेगा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया ईंधन

जी.एस केशरवानी

भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से छत्तीसगढ़ की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया जा चुका है। देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखकर विकसित छत्तीसगढ़ की तरक्की को नई गति दी गई है।

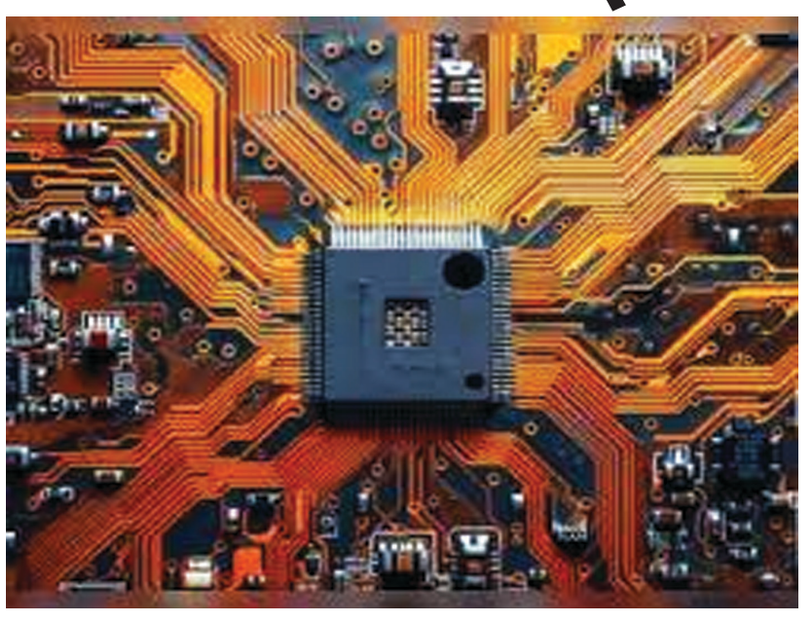

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई उद्योग नीति और इज ऑफ डुईंग बिसनेस के तहत् राज्य द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहुलियतों से राज्य में निवेश का नया वातावरण तैयार हुआ है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी पॉलीमैटेक ने भी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट में छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी और मात्र तीन महीने के भीतर ही भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ। यह छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की सफलता को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की स्थापना से जहां एक ओर बड़े पैमाने पर चिप्स का निर्माण होगा, वहीं तकनीकि शिक्षा प्राप्त युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। राज्य सरकार द्वारा न केवल सेमीकंडक्टर निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि सेमीकंडक्टर के लिए पूरे इको सिस्टम तैयार करने की भी योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिसमें चिप डिजाईन से लेकर मेनुफेक्रिंग और पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था होगी। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर जैसे नए और तकनीकि उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार के नए-नए अवसर भी बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह मंत्र दिया है कि दुनिया के कम्प्यूटर में लगने वाले चिप में कम से कम एक चिप भारत में बना हो। उन्होंने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वर्ष 2030 तक 10 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सेमिकंडक्टर मिशन की शुरूआत की है। सेमीकंडक्टर की महत्ता और उपयोगिता को सरल शब्दों में इस प्रकार समझा जा सकता है। वाहनों का जिस प्रकार ईंधन पेट्रोल है, ठीक उसी प्रकार सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का मस्तिष्क और संचालक है। मोबाइल, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, रक्षा उपकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन और स्मार्ट डिवाइस इन सभी में सेमीकंडक्टर की केंद्रीय भूमिका होती है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ महीने पहले ही नई औद्योगिक नीति लागू की है, जिसके परिणामस्वरूप महानगरों में आयोजित इन्वेस्टर समिट से अब तक साढ़े 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अनुदान के साथ ही कई प्रकार की सुविधाएं दे रही है। सिर्फ सेमीकंडक्टर ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईटी सेक्टर में भी राज्य सरकार निवेश को प्रोत्साहन दे रही है। देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क नवा रायपुर में बनाया जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ एक प्रमुख तकनीकी हब के रूप में उभरेगा।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916
100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

योग पर आधारित पेंटिंग की स्कूली बच्चों ने

भिलाई। स्काउट-गाइड जिला संघ भिलाई की ओर से योग दिवस के परिप्रेक्ष्य में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। जिला कमिश्नर स्काउट एवं प्राचार्य भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 विजय सिंह पवार में छात्रों को योग का महत्व समझाकर उन्हें अपने दैनिक जीवन मे योग को शामिल करने, प्रेरित किया। ज्ञातव्य है कि जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में वर्ष भर स्काउट गाइड की गतिविधियां सक्रिय रूप से संचालित होती रहती है। अभी मई महीने में एक माह तक राज्यपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु छात्रों को प्रशिक्षित किया गया। उक्त ग्रीष्मकालीन शिविर में छात्रों की बहुत बड़ी संख्या ने भाग लिया भाग लिया। यह जानकारी डी. ओ. सी एवं व्याख्याता सत्यनारायण साहू ने दी।

अवैध बैनर-पोस्टर एवं प्रचार सामग्री के विरुद्ध बीएसपी की सख्त कार्यवाही

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा इस्पात नगरी की स्वच्छता, सुंदरता एवं शासकीय सम्पत्ति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अवैध बैनर, पोस्टर एवं प्रचार सामग्री के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा सेंट्रल एवेन्यू में मुख्य मार्गों से बड़ी संख्या में अवैध बैनर और पोस्टर हटाए गए। भिलाई टाउनशिप में फ्लेक्स, पोस्टर, होर्डिंग्स लगाने के संयंत्र प्रबंधन के नियमों की अवहेलना करते हुए विभिन्न प्रचारकों, राजनीतिक दलों, श्रमिक संगठनों द्वारा अवैध रूप से प्रचार सामग्री लगाई जा रही है। इस पर संयंत्र प्रबंधन ने कार्यवाही करते हुए सख्त रुख अपनाया है। यह अभियान लगातार जारी है और इसमें किसी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीएसपी टाउनशिप के विभिन्न सेक्टरों में भी अवैध कब्जा, बिना अनुमति निर्माण, शेड निर्माण एवं क्वार्टरों पर अतिक्रमण के मामलों पर कार्यवाही करने के साथ-साथ अवैध प्रचार सामग्रियों को भी हटाया जा रहा है। बिना पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार की फ्लेक्स, पोस्टर, होर्डिंग्स या वाल पेंटिंग करना गैरकानूनी है।

इंदौर में नहीं लगते जनप्रतिनिधियों के छोटे-बड़े होर्डिंग, इसलिए है स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल

श्रीकंचनपथ न्यूज

महापौर नीरज पाल ने एमआईसी की बैठक में साझा किए अपने इंदौर दौरे के अनुभव

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आहूत की गई। बैठक में महापौर जी इंदौर दौरा से प्रभावित होकर अपने अनुभवों को साझा किये और पार्षदों को प्रशिक्षित कराने हेतु चर्चा किये। स्वयं का कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करने का सलाह दिये। विकास कार्य के लिए विभिन्न संसाधनों की वृद्वि हेतु शासन से मांग के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की नियुक्ति हेतु महापौर परिषद से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पालना कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की नियुक्ति किये जाने सर्व सम्मति से पारित किया गया।

महापौर पाल ने बताया कि इंदौर जैसे बड़े शहर में अपना स्वयं का कार्ययोजना एवं नियम बनाकर कार्य करते है, जिसके कारण उन्हे स्वच्छता में नम्बर 1 का अवार्ड मिल रहा है एवं

उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। इंदौर में जनप्रतिनिधियों के जन्म दिन की बधाई संदेश एवं विशेष समारोह में बड़े एवं छोटे होर्डिंग लगाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किए हैं। होर्डिंग पर खर्च होने वाले राशि का उपयोग पुण्य कार्यो में लगाया जाता है। इसी प्रकार भिलाई में भी हमे अपना कार्ययोजना एवं नियम बनाकर कार्य करना होगा। जिससे हमारे शहर की स्वच्छता के साथ-साथ निगम की आर्थिक स्थिति भी अच्छी होगी। इसके लिए सभी पार्षदों को एक साथ इंदौर के कार्यप्रणाली को देखने प्रशिक्षण सह भ्रमण पर जाने की जरूरत है। जिससे पार्षदों को शहर की स्वच्छता एवं निगम के आय स्रोत के बारे में जानकारी मिल सके और निगम के विकास में सभी पार्षदों का सहयोग मिल सके।

20 एजेंडों पर हुई चर्चा

बैठक में प्रमुख रूप से 18 एजेण्डा एवं अतिरिक्त 2 एजेण्डा पर विस्तृत चर्चा हुई। नगरीय निकायों में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2023-24 के टाईड बेसिक ग्राण्ट की प्रथम किश्त राशि के अंतर्गत निगम क्षेत्रांतर्गत कचरा परिवहन हेतु कम्पेक्टर 14ध्3 टन क्षमता का वाहन क्रय, डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य हेतु मिनी टिप्पर वाहन क्रय एवं बड़े एवं छोटे नालो की सफाई हेतु मिनी चैन एक्सीवेटर क्रय करने को सर्व सम्मति से मंजुरी दी गई। राधिका नगर में पूर्व निर्मित स्लाटर हाउस के संचालन के लिए नियम-शर्तो में संशोधन करते हुए निविदा आमंत्रण किये जाने हेतु स्वीकृति प्राप्त हुई है।

डंपर सहित मिनी टिप्पर आदि के लिए वित्तीय स्वीकृति

सालिड वेस्ट मेनेजमेंट अंतर्गत वायु गुणवत्ता सुधार हेतु 15वें वित्त आयोग से बैकहो लोडर 4 नग, डम्पर 4 नग, मिनी टिप्पर 30 नग, ट्रक माउंटेन सक्सन कम जेटिंग मशीन 6 नग एवं अन्य वाहन क्रय किये जाने के संबंध में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने महापौर परिषद से सर्व सम्मति से पारित किया गया। राजस्व आय की वृद्वि हेतु निगम क्षेत्र के मुख्य मार्गो में स्थित विद्युत पोल एवं ट्यूबलर पोल में विज्ञापन बोर्ड लगाने के नियम शर्तो के अनुमोदन एवं निविदा आमंत्रण को सलाहकार समिति की बैठक में विचार कर आगामी महापौर परिषद की बैठक में प्रस्तुत करने कहा गया।

आपातकाल स्मृति दिवस : राजधानी रायपुर में चेंबर के महामंत्री अजय को मिला उनके चाचा का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छतीसगढ़ शासन द्वारा आपातकाल स्मृति दिवस मनाया गया। इस स्मृति दिवस पर शासन द्वारा मीसा बंदी में 19 माह तक जेल में बंद रहे देश के लिए समर्पित लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान किया गया।भिलाई के सम्मानित मीसा बंदी लोकतंत्र सेनानियों में स्व.योगेंद्र नाथ भसीन का सम्मान माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा उनके भतीजे चेम्बर के महामंत्री अजय भसीन को दिया गया।

अजय भसीन ने बड़े पिताजी स्व.योगेंद्र नाथ भसीन का सम्मान ग्रहण करते हुए बताया कि आपातकाल के समय जेल में मीसा बंदियों की बाढ़ सी आ गई थी। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़े पिताजी भी सरकार द्वारा

प्रताड़ित किये गए। उनकी संपत्ति भी छीन ली गई। बड़े पिताजी पूरे 21 महीने जेल में रहे। इंदिरा गांधी की निरंकुश सरकार आपातकाल के नाम पर अपने राजनीतिक विरोधियों को कुचलने का काम किया। ये सारी प्रताड़नाएं बड़े पिताजी ने सही है और आज छतीसगढ़ शासन और मुख्यमंत्री साय का आभार करता हु जो लोकतंत्र के रक्षको का सम्मान किया।

भिलाई से मीसा बंदी ठाकुर गौतम सिंह जी को भी सम्मानित किया गया। अनेक मीसाबंदीयो व उनके परिजनों का सम्मान किया गया। लोकतंत्र की रक्षा में मीसा बंदीयो की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि मीसा बंदी किन्हें कहा जाता है? वर्ष 1975-77 के दौरान राजनैतिक या सामाजिक कारणों से राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा अधिनियम 1971(1971 का 26)(निरस्त) के तहत जिन्हें बंदी बनाया गया उन्हें मीसा बंदी के रूप में जाना जाता है। मुख्यमंत्री साय ने अपने उदबोधन में कहा कि आपातकाल की इस काली घटना में आप सभी मीसा बंदियों को नमन करता हूं। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, संगठन के महामंत्री पवन साय, तोखन साहू व अखिल भारतीय लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिदानंद उपासने व अनेक गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल, शंकर सचदेव, सुनील मिश्रा, निरंकार सिंह, मनोहर कृष्णानी व चेम्बर के सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया केन्द्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला दुर्ग द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में उन्होंने बंदियों के परिजनों से मिलने हेतु बनाये गये मुलाकात कक्ष, जेल में संचालित लीगल एड क्लीनिक, प्रशासनिक प्रबंधन, बंदी कक्षों की स्थिति, उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, पाकशाला और भोजन की गुणवत्ता का सूक्ष्म अवलोकन किया। उनके द्वारा नए आपराधिक विधियों के तहत बंदियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराने पर जोर दिया गया, जेल पैरालीगल वालेंटियर से किए जाने वाले कार्यों एवं नव आगंतुक बंदियों को दिए जाने वाले विधिक जानकारी के संबंध में जानकारी ली गई। उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी दैनिक दिनचर्या से संबंधित जानकारी प्राप्त की। नव आगंतुक बंदियों को उनके प्रकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के विषय में बताया गया तथा जो बंदी निजी अधिवक्ता नियुक्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सहायता सलाह प्रदान कर उनकी पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता की नियुक्ति किए जाने की जानकारी दी गई। जेल प्रशासन को ऐसे बंदी जिन्हें परिहार का लाभ दिया जा सकता है, उनके आवेदन के लंबित रहने के कारणों सहित जानकारी प्राधिकरण को प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। स्वच्छता का विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए जेल अधीक्षक को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया।

बधिरांधता पर आधारित कार्यशाला हुआ आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जो बच्चा देख नहीं सकता वह सुनकर तथा जो बच्चा सुन नहीं सकता वह दृष्टि का उपयोग कर अपना कार्य कर सकता है, किंतु किन्हीं बच्चों में देखने व सुनने की क्षमता ही विकसित न हो तो इन्हीं बच्चों पर आधारित संभाग स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण बधिरांधता एवं बहु दिव्यांगता की समझ विषय पर साक्षरता भवन दुर्ग के विवेकानंद ऑडिटोरियम में विगत 23 जून 2025 को संपन्न किया गया।

समग्र शिक्षा दुर्ग एवं आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट अवंती विहार रायपुर के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, एवं राजनंदगांव ,मानपुर मोहला अंबागढ़ चौकी,खैरागढ़ छुई खदान हंदकंप जिले

में कार्यरत समस्त बीआरपी एवं स्पेशल एजुकेटर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में समग्र शिक्षा दुर्ग से सुरेंद्र पांडे आई के रामटेके (ए पी सी) एवं किरण चंदवानी (यूआरसी दुर्ग) द्वारा कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। सभी प्रतिभागियों ने अपने और कार्य क्षेत्र का परिचय देते हुए बधिरांधता के संबंध में अपने अनुभव साझा किए।

आकांक्षा इंस्टीट्यूट रायपुर द्वारा पुष्पेंद्र लोखंडे द्वारा प्रतिभागियों का पंजीयन कार्य किया गया। आकांक्षा इंस्टीट्यूट के मास्टर ट्रेनर कौशलेंद्र मिश्र एवं पंकज कुमार मौर्य ने बधिरांधता पर विस्तार से चर्चा किए।

जिला प्रशासन और बीएसपी प्रबंधन की बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला प्रशासन के अधिकारियों और बीएसपी प्रबंधन की संयुक्त बैठक गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में नगर निगम रिसाली एवं भिलाई नगर और नगर पालिका परिषद अहिवारा में विकास कार्यों में प्रगति लाने अधिकारियों के बीच सकारात्मक चर्चाएं हुई।

बीएसपी प्रबंधन ने निगम के विकास कार्यों हेतु हर संभव आवश्यक पहल करने का भरोसा

दिलाया। कलेक्टर सिंह ने भूमि आबंटन के मामले में रिक्त होने की स्थिति में संबंधित निकाय और बीएसपी प्रबंधन की संयुक्त टीम द्वारा मौका मुआयना करने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित एसडीएम को पूर्व में बीएसपी को दिये गये जमीन आदि की रिकार्ड मिलान करने निर्देशित किया।

बैठक में विगत बैठक के पारिपालन प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। साथ ही एजेंडानुसार जिला न्यायालय, दुर्ग न्यायालय भवन एवं अधिकारी/कर्मचारी आवास हेतु भूमि आबंटन, आई.आई.टी. भिलाई के स्टॉफ आवास हेतु भूमि आबंटन, वर्किंग वोमन्स हॉस्टल के लिए भूमि आबंटन करने, निकाय क्षेत्र के लिए अमृत मिशन फेस-2 के अंतर्गत फिल्टर प्लांट के लिए डब्ल्यूटीपी एवं इंटकवेल निर्माण के लिए जमीन तथा मरोदा डेम से पानी की उपलब्धता के संबंध में, नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांतर्गत विगत 30-40 वर्षों से बसाहट भूमि पर वर्तमान में 120 एकड़ एवं 151 एकड़ भूमि आबंटित किया गया है।

एचआरडीसी में संविदा कर्मियों ने स्किट के माध्यम से दी सुरक्षा की सीख

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अभिनव प्रयास के तहत, एचआर-एल एंड डी केन्द्र में लघु नाटिका कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के समन्वय में आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से संविदा कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी मानकों, सुरक्षित कार्य प्रणाली एवं मानक संचालन प्रक्रियाओं को व्यवहारिक और प्रभावशाली रूप से समझाना था। इस क्रम में जल प्रबंधन विभाग द्वारा प्रस्तुत पहली स्किट में सड़क सुरक्षा, मानवीय त्रुटियों और सतर्क ड्राइविंग की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इसके पश्चात सिंटरिंग प्लांट-3 द्वारा दो अलग-अलग स्किट प्रस्तुत की गईं, जिनमें क्रमश: सीमित स्थान में कार्य करने हेतु सुरक्षा उपायों एवं ऊँचाई पर कार्य करते समय बॉडी हार्नेस और अन्य सुरक्षा चेक पॉइंट्स के महत्त्व को रेखांकित किया गया। कलाकारों ने जीवंत प्रस्तुति के माध्यम से यह दिखाया कि कैसे सुरक्षा मानकों की उपेक्षा दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है और समय पर सतर्कता इनसे बचाव कर सकती है।

कार्यक्रम की विशिष्टता यह रही कि तकनीकी विषयवस्तु को मनोरंजक नाटक के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया गया कि वह हर वर्ग के संविदा कर्मियों को भी सहजता से समझ आ सके। स्थानीय भाषा, प्रासंगिक उदाहरणों और हास्य के समावेश ने संदेश को प्रभावशाली ढंग से संप्रेषित किया।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सत्पथी, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सिंटर प्लांट्स) श्री अनूप कुमार दत्ता, महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी) एस. सुनोव सहित एसईडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों ने इन प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए इस बात पर बल दिया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए, ताकि संयंत्र के जमीनी स्तर तक सुरक्षा की भावना और जागरूकता को विस्तार मिले। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (एस एंड एफएस) एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एसपी) द्वारा सभी कलाकारों को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के पीएम राजेन्द्र कुमार ने किया। विभागीय सुरक्षा अधिकारीगणों में राजेश देवांगन (एसपी-2), एनके गुप्ता (जल प्रबंधन), शोवन घोष एवं अजय टछू (एसईडी) ने इस आयोजन के सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

झूलेलाल भगवान की महाआरती सिंधी काउंसिल टीम ने की

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवम पूज्य राम पंचायत के संयुक्त तत्वाधान में महाआरती का आयोजन 56 फीट झूलेलाल की प्रतिमा के सामने किया गया सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया पूज्य राम पंचायत के साथ मिलकर पूजा अर्चना एवम भंडारा का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा पाठ के साथ भंडारा भी किए सिंधी समाज के सभी सदस्य की सुख समृद्धि एवम रायपुर शहर के विकास के लिए पूजा अर्चना रखी गई इस अवसर पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, राम पंचायत के अध्यक्ष गिरीश लहेजा, सुनील कुकरेजा, डॉ एन डी गजवानी, तेजकुमार बजाज, मोहन वलयानी, सुमीत अथवानी, निलेश तारवानी, विशाल नारंग, दीपक रामनानी, जितेंद्र मलघानी, हेमंत मेघानी, राजेश रेलवानी, धनेश मटलानी, रितेश वाधवा, चंदर देवानी सभी ने पूजा में भाग लिया।

सरोना डंप साइट रिमेडिएशन में देरी पर ठेकेदार पर होगी कार्रवाई, तय समय में काम नहीं तो लगेगा जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम, रायपुर के सरोना स्थित पुराने डम्प साईट के रिमेडिएशन कार्य हेतु सस्था मेसर्स हिल ब्रो मैटेलिक एण्ड कस्ट्रक्शन प्रा. लि. इनवारों आर्गेनिक वर्कस एण्ड सप्लायर्स (जे.वी.) के साथ अनुबंध दिनांक 22 जून 2023 कारित कर कार्यादेश दिनांक 22 जून 2023 को जारी किया गया था। अनुबंध अनुसार उक्त कार्य 18 माह के भीतर पूर्ण किया जाना था। जिसकी अवधि 22 दिसम्बर 2024 को समाप्त हो गई थी तथा संस्था को कार्य पूर्ण करने हेतु उनके आवेदनानुसार अतिरिक्त 06 माह की समयावधि प्रदान की गई। संस्था को कार्य की गति व स्थल पर अत्तिरिक्त मशीनरी बढ़ाने हेतु पत्राचार किया गया। यदि संस्था द्वारा निर्धारित

समय सीमा में सम्पूर्ण कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो कारित अनुबंध के अनुसार कार्यवाहीं की जायेगी।

निगम अधिकारी सफाई कार्य का निरीक्षण करने प्रतिदिन निकलें -आयुक्त

निदान 1100 और कलेक्टर कॉल सेंटर का समुचित प्रचार प्रसार हो, जीई रोड में होर्डिंग्स नहीं लगने दी जाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम डाटा सेंटर में अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें अनेक आवश्यक निर्देश दिये। आयुक्त ने कहा कि सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। उन्होने निर्देश दिये कि सभी संबंधित अधिकारीगण प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे सफाई कार्य के निरीक्षण पर निकले। सभी अधिकारी वार्डो में सफाई कामगारों की उपस्थिति की जांच करने उनकी गिनती करवाये और सभी ट्रांसफर स्टेशन का प्रतिदिन निरीक्षण करें। सभी ट्रांसफर स्टेशन में आने वाली गाडियो की मॉनिटरिंग करेंगे, विशेषकर डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य में लगी गाड़ियो की मॉनिटरिंग करेंगे। सभी ट्रांसफर स्टेशन के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिये गये है।

आयुक्त ने निर्देशित किया है कि सफाई कार्य और नगर निवेश विभाग के कार्यों में कितना ई चालान किया गया है, प्रतिदिन उसकी रिपोर्ट नगर निगम आयुक्त को दी जाये। कही भी जीव्हीपी नहीं मिलना चाहिए। स्वास्थ्य एवं नगर निवेश विभाग के अधिकारियों को प्रतिदिन डेशबोर्ड में किये गये कार्यों की एंट्री करवाने के निर्देश प्रतिदिन की कार्यवाही के संबंध में दिये गये है। जोन नगर निवेश विभागो एवं नगर निवेश मुख्यालय उड़नदस्ता द्वारा पृथक-पृथक कार्यवाही की जानकारी देने निर्देशित किया गया है। प्रतिदिन कार्यों हेतु जोनो के नगर निवेश विभाग एवं निगम मुख्यालय उडनदस्ता को कार्य संबंधी लक्ष्य देने निर्देशित किया गया है।

आयुक्त ने निर्देश दिये हे कि जीई मार्ग में विज्ञापन होर्डिंग नहीं लगने दिया जाये। एमओएस के उल्लंघन पर प्रतिदिन प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिये गये है। प्रतिदिन संध्या को वाणिज्यिक क्षेत्र में विडियोग्राफी अनिवार्य रूप से करवाने निर्देशित किया गया है। वहीं निदान 1100 और कलेक्टर कॉल सेंटर का समुचित प्रचार- प्रसार करने निर्देशित किया गया है ताकि आमजन इसमे शिकायते दर्ज कराकर त्वरित निदान प्राप्त कर सके।

आयुक्त ने मानसून को दृष्टिगत रखकर वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाने की योजना प्रस्तावित करने के निर्देश समाज हित में पर्यावरण संरक्षण हेतु दिये है। ठेले वालो द्वारा डस्टबीन नहीं रखे जाने पर वहां नियमित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। नगर निगम की भूमियों को सुरक्षित करने उनपर नगर निगम के आधिपत्य का बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये गये है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आबंटित आवासो और भवनो का सर्वे कार्य करवाने के निर्देश आयुक्त ने दिये है। आयुक्त द्वारा ली गई बैठक में अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यू.एस. अग्रवाल, पंकज के शर्मा, विनोद पाण्डेय, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, जसदेव सिंह बाबरा, प्रीति सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिशन रघुमणी प्रधान, कार्यपालन अभियंता आशुतोष सिंह, अंशुल शर्मा जुनियर, सहायक अभियंता स्वच्छ भारत मिशन योगेश कडु, आईटी विशेषज्ञ रंजीत रंजन, प्रोग्रामर राधेश्याम एक्का, उप अभियंता नीतिश झा, अमित सरकार, प्रेरणा अग्रवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारीगणों की उपस्थिति रही।

पुलिस मुख्यालय रायपुर में नशामुक्त भारत अभियान का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस, लीड एजेंसी रोड सेफ्टी के संयुक्त तत्वाधान में नशा के विरूद्ध अभियान के रूप में CYCLOTHON जागरूकता पखवाड़ा का शुभारंभ पुलिस मुख्यालय के नारकोटिक्स विंग के पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर एआईजी (ट्रैफिक) संजय शर्मा एवं रवि शंकर जोशी डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एनसीबी रायपुर स्पोर्टस आथरटी ऑफ इण्डिया रायपुर ग्रुप एवं छत्तीसगढ़ राइडर्स एसोसिएशन (सीआरए) विनय भास्कर भी उपस्थित रहे। CYCLOTHON जागरूकता कार्यक्रम MOXIHEALTH STAY FIT WITH ME के समन्वय से किया जा रहा है।

शुभारंभ अवसर पर अजय यादव ने उपस्थित प्रतिभागी एवं जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रति वर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन एक नशा मुक्त विश्व के प्राप्ति हेतु कार्यवाही और सहयोग को मजबूत करने हेतु किया जाता है। विश्व में ड्रग्स की समस्या एक बहुआयामी चुनौती पेश करती है और लाखों लोगों का जीवन प्रभावित करती है। नशे का दुष्प्रभाव के संबंध में लोगों में जागरूकता फैलाना भी जरूरी है। इस दिशा में हमारी सोच स्पष्ट है कि जब डिमांड कम होगी, तो ड्रग्स की सप्लाई भी प्रभावित होगी।

केन्द्र और राज्य सरकार दोनों इस दिशा में पूरी शिद्दत से कार्य कर रही हैं और लगभग प्रति दिन नशे के अवैध व्यापार में शामिल लोगों की धरपकड़ की जा रही है। राज्य में प्रति वर्ष बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की जप्ती और इसमें संलिप्त अंतर्राष्ट्रीय-अंतर्राज्यीय स्तर के अनेक तस्करों की गिरफ्तारी की गई है। राज्य और केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। न के विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही तो की ही जा रही है, किन्तु इस पर पूर्ण रोक लगाने में जनमानस का सहयोग अपेक्षित है।

जब आमजन, कानून प्रवर्तन एजेंसियां सब साथ चलेंगे तब नशा मुक्त भारत को साकार करने में वक्त नहीं लगेगा। साथ ही उन्होंने उपस्थित जन समुदाय को नशा के खिलाफ शपथ लेने का आग्रह करते हुए कहा कि आप सभी प्रतिज्ञा लें, कि नशे से दूर रहेंगे एवं भारत सरकार के MYGOV ऐप पर जा कर स्वयं को रजिस्टर कर प्रतिज्ञा अवश्य लें और अपने परिचितों को भी इस संबंध में प्रेरित करें। इस अवसर पर एआईजी (ट्रेफिक) संजय शर्मा ने अपने उदबोधन में कहा कि नशे में वाहन चलाने के गंभीर परिणाम होतें हैं जिनमें स्वयं, परिवारजन, सड़क में चलने वाले जनसामान्य भी खतरे में पड़ते है। नशे में वाहन चलाने में न्यूनतम 10,000 का चालान एवं छः माह की सजा का प्रावधान है।

अवैध निर्माणों पर नगर निगम का शिकंजा, जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर की शहर व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त करने के लिए आयुक्त विश्वदीप ने महात्मा गांधी सदन स्थित सभागार में अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में अपर आयुक्त, जोन कमिश्नर, स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निवेशक, अभियंता, और राजस्व अधिकारी सहित सभी प्रमुख विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। आयुक्त ने निर्देश दिए कि 26 जून से प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे सभी जोन कमिश्नर, स्वास्थ्य अधिकारी और अभियंता अपने-अपने क्षेत्र के वार्डों में फील्ड में निकलकर नगर निगम के मूल कार्यों सफाई, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और सड़क व्यवस्था की स्थिति की निगरानी करें।

बारिश में जलभराव पर जीरो टॉलरेंस आयुक्त विश्वदीप ने स्पष्ट किया कि शहर में जलभराव की स्थिति कतई नहीं होनी चाहिए। नालियों और नालों की तली तक सफाई की जाए और जहां पाटे बाधा बन रहे हों, उन्हें तत्काल तोड़ा जाए। सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सफाई ठेकेदार द्वारा निर्धारित संख्या में श्रमिक फील्ड में उपस्थित हों, तभी उनके वेतन का भुगतान किया जाए। पेयजल और स्ट्रीट लाइट्स पर विशेष ध्यान बारिश के दौरान नागरिकों को शुद्ध पेयजल मिल सके इसके लिए सतत मॉनिटरिंग की जाए। सभी स्ट्रीट लाइट चालू होनी चाहिए, खराब लाइटों को अविलंब बदलने के निर्देश भी दिए गए। नगर निवेश विभाग को अवैध प्लाटिंग, अवैध निर्माण और अतिक्रमण के विरुद्ध नियमपूर्वक सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सड़क पर पुतले रखकर यातायात बाधित करने वाले दुकानदारों पर सीधी कार्रवाई, ठेलों-गुमटियों में डस्टबीन अनिवार्य करने की बात कही गई है।

संपत्तिकर भुगतान पर छूट आयुक्त ने बताया कि 30 जून तक संपत्तिकर का पूरा भुगतान करने पर नागरिकों को 6.25 प्रतिशत की छूट मिलेगी। आयुक्त ने दो टूक कहा कि मूल कार्यों में लापरवाही पर जवाबदेही तय होगी और सख्त कार्रवाई होगी। अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे शहर की व्यवस्था सुधारने अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

कलेक्टर गौरव सिंह और एसएसपी उमेंद सिंह ने EV 3 व्हीलर ट्रैफिक पेट्रोलिंग वाहन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई पहल की शुरुआत की गई। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने संयुक्त रूप से EV 3 व्हीलर ट्रैफिक पेट्रोलिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन छत्तीसगढ़ की जीके इलेक्ट्रिक कंपनी के सहयोग से तैयार किया गया है। इस वाहन के माध्यम से शहर की गलियों और मुख्य मार्गों पर यातायात नियमों का सचित्र प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

वाहन में लगे PA सिस्टम से सार्वजनिक रूप से लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, मोबाइल का उपयोग न करने, नशे में ड्राइव न करने जैसे महत्वपूर्ण ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी जाएगी। इस पहल के तहत पुलिस अब माइक्रो लेवल पर पेट्रोलिंग करेगी और जागरूकता के साथ-साथ नियम तोड़ने वालों पर प्रभावी कार्यवाही भी की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार ने खुद ई-रिक्शा चलाया और नागरिकों से ट्रैफिक नियमों के पालन की अपील की। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि छोटी-छोटी आदतों से हम बड़े बदलाव ला सकते हैं।

वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट, और दिशा संकेतों का पालन हमारी और दूसरों की जान बचा सकता है। जीके इलेक्ट्रिक ग्रुप के डायरेक्टर पुनीत परवानी और अमर परवानी ने इस नवाचार को रायपुर की सड़कों को सुरक्षित और नियमबद्ध बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) डॉ. प्रशांत शुक्ला, डीएसपी सतीश ठाकुर, गुरजीत सिंह, और थाना प्रभारी विशाल कुजूर भी मौजूद रहे।

चेंबर ने किया मेगा स्वास्थ्य शिविर के पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा 29 जून 2025, दिन रविवार को चेंबर भवन में आयोजित होने वाले विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर के पोस्टर का आज चेंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी और चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने संयुक्त रूप से विमोचन किया। यह मेगा स्वास्थ्य शिविर समाज के सभी वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। शिविर में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा जांचें और परामर्श उपलब्ध होंगे, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

इस अवसर पर, चेंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी ने स्वास्थ्य शिविर के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारा लक्ष्य है कि हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले। यह शिविर इसी दिशा में हमारा एक छोटा सा प्रयास है। चेंबर अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बताया, इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। हमारा प्रयास है कि यह शिविर सफल हो और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठाएं। चेंबर ने सभी व्यापारियों एवं शहरवासियों से इस स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाने का आग्रह किया है। इस अवसर पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, कार्यकारी अध्यक्ष राधा किशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी (कार्यक्रम संयोजक), उपाध्यक्ष दिलीप इसरानी (कार्यक्रम समन्वयक), लोकेश चंद्रकांत जैन, राजेश गुरनानी, मंत्री राहुल खूबचंदानी (कार्यक्रम संयोजक), आकाश दुदानी (कार्यक्रम संयोजक), सांस्कृतिक प्रभारी अनिल जोत सिंघानी (कार्यक्रम संयोजक) सहित रवि सचदेव एवं सागर जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मेगा स्वास्थ्य शिविर में कार्यक्रम संयोजक के रूप में कार्यकारी महामंत्री विकास आहूजा एवं मंत्री अलोक शर्मा अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

48वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल योगा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के तत्वावधान में आयोजित 48वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल (RPF) योगा प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ 26 जून 2025 को डब्ल्यूआरएस रेलवे कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में हुआ। यह प्रतियोगिता 26 जून से 28 जून 2025 तक चलेगी, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल की 14 टीमों के 65 बल सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानंद जी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान उन्हें कार्यक्रम का प्रतीक बैज लगाया गया और पारंपरिक टोपी पहनाकर स्वागत किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रमन कुमार, सहायक सुरक्षा आयुक्त वीके लांजीवार, सहायक सुरक्षा आयुक्त संदीप डी. खिरटकर सहित रेलवे के अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और स्वस्थ जीवनशैली में योग के महत्व को रेखांकित किया। योग से अनुशासन और मानसिक मजबूती अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य अतिथि दयानंद ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और अनुशासन का एक मार्ग है, जो RPF जैसे बल के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल बल के जवानों के स्वास्थ्य को सशक्त करती हैं, बल्कि उनमें मन, मस्तिष्क और शरीर का सामंजस्य भी स्थापित करती हैं।

क्षतिग्रस्त नाली से कभी भी हो सकता है गंभीर हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एडीबी के तहत भाटापारा से बलौदाबाजार मुख्य सड़क निर्माण के दौरान अर्जुनी गांव में सड़क के दोनों ओर नाली बनाई गई थी। सड़क के दोनों ओर बनाए गए नाली निर्माण में गुणवत्ता की कमी के चलते अब नालियां पूर्णत: क्षतिग्रस्त हो रही है। ग्राम अर्जुनी टोनाटार तिगड्डा चौक के पास सड़क किनारे बनी नाली टूट गई है। अर्जुनी टोनाटार चौक के पास टोनाटार की ओर जाने वाले सड़क के बीचो-बीच नाली को टूटे कई महीने हो चुके हैं।

वहीं संबंधित विभाग की अनदेखी राहगिरो के लिए किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अर्जुनी से टोनाटार चौक पर कई गांवो के राहगीरों का आना-जाना रहता है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो हाल ही में एक निजी अस्पताल का एम्बुलेंस इसी गड्ढे में बुरी तरह से फंस गया जिसे स्थानीय लोगो की मदद से जद्दोजहद कर निकाला गया। इस प्रकार की घटना कोई नई बात नही है । लंबे समय टूटी हुई नाली में गिरकर कई राहगीर चोटिल भी हो चुके हैं। उसके बावजूद संबंधित विभाग कुंभकर्णीय नींद में सोए हुए हैं। इस मार्ग से कई ट्रांसपोटिंग ट्रकों व अवैध रेत माफियाओं का गाड़ियों का आवागमन लगा रहता है। जिस पर नकेल कसने की जरूरत है यदि यही हाल रहा। तो पूरी सड़क ही जर्जर हो जाएगा। जिसका भुगतना आम लोगो को भोगना पड़ेगा।

पूर्व जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश साहू टोनाटार सरपंच विष्णु कोसले उपसरपंच पिंकू कुलेश्वर वर्मा पूर्व उपसरपंच गेंदराम वर्मा मेघु रजक चिंतामणि जायसवाल ने बताया कि अर्जुनी टोनाटार चौक के पास सड़क के बीचो-बीच नाली की छत टूट गई है और छड भी दिखाई दे रहे हैं। नाली को टूटे कई महीने हो चुके हैं। फिर भी संबंधित विभाग द्वारा टूटी हुई नाली की मरम्मत के लिए कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने टूटी हुई नाली की शीघ्र ही मरम्मत करने की मांग की है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सिल्वर गाउन में राशा ठडानी ने ढाया कहर, फैंस बोले -कितनी प्यारी लग रही हो

रवीना टंडन की बेटी राशा ठडानी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस अवतार से तहलका मचा दिया है। राशा ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया जिसमें वह शाइनी सिल्वर बॉडीकॉन गाउन में नजर आ रही हैं। इस एलिगेंट और बोल्ड लुक को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया है, जहां उन्होंने कैप्शन में लिखा - रजत मंत्र। राशा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक यूजर ने लिखा, कितनी प्यारी, तो दूसरे ने कहा, राशू क्या आपको नहीं लगता कि 11वीं तस्वीर आपकी प्रोफाइल तस्वीर होनी चाहिए? वहीं किसी ने तो यहां तक कह दिया कि किन्ना सोना तेनु रब ने बनाया!! जी करे देखत रहु।

राशा का ये ग्लैमरस लुक न सिर्फ उनकी फिटनेस को हाईलाइट करता है बल्कि उनका कॉन्फिडेंस भी झलकाता है। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और परफेक्ट पोज़ हर एंगल से वह कमाल लग रही हैं। कुछ ही मिनटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, और यह तेजी से वायरल हो रहा है।

राशा ठडानी अब बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रही हैं और इंडस्ट्री में उनकी मौजूदगी पहले से ही चर्चा में बनी हुई है। उनके स्टाइल सेंस, सोशल मीडिया अपील और ग्रेस को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि वह आने वाले समय की एक बड़ी स्टार बन सकती हैं।

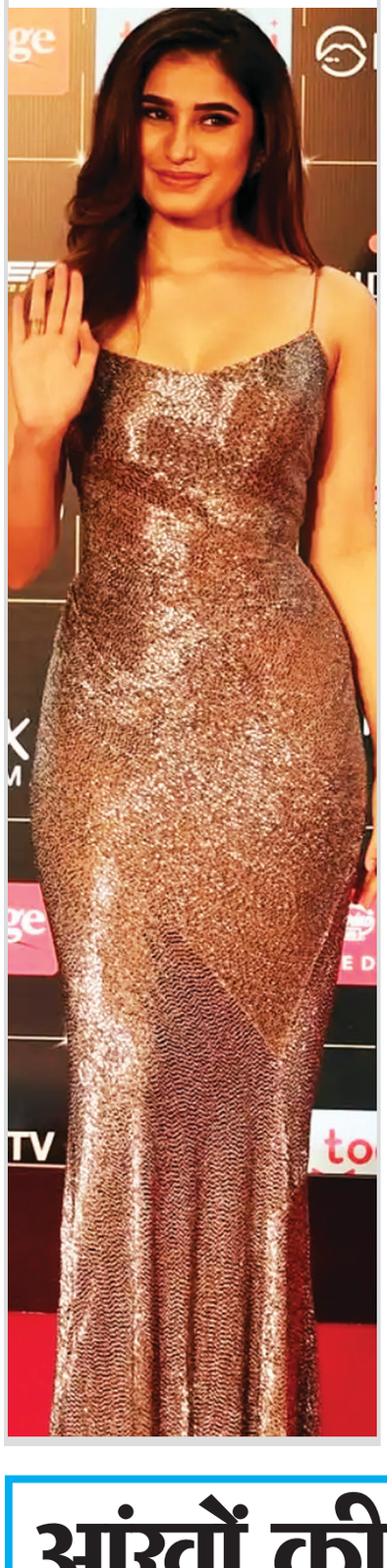

बटर येलो मैक्सी ड्रेस में जान्हवी ने स्त्री की कृपा को किया प्रदर्शित

होमबाउंड की सफलता का आनंद उठा रही जान्हवी कपूर को हाल ही में मुंबई में देखा गया। वायरल तस्वीरों और पपराज़ी द्वारा ली गई तस्वीरों में अभिनेता शहर में मैडॉक फिल्म्स के कार्यालय के बाहर दिखाई दे रहे हैं। अपनी उपस्थिति के लिए, उन्होंने मौसम के रंग को चुना - बटर येलो। बटर येलो फिगर-हगिंग मैक्सी ड्रेस में, जान्हवी ने स्त्री की कृपा को प्रदर्शित किया।

अपने हाउते कॉउचर ड्रेसेस को छोड़कर, जान्हवी ने अपने प्रशंसकों को विस्मित कर दिया क्योंकि उन्होंने एक रोमांटिक मैक्सी-लेंथ ड्रेस पहनी थी जिसे उन्होंने भूरे रंग के फ्लैट्स के साथ पेयर किया था फिगर-हगिंग ड्रेस मैक्सी-लेंथ में आई थी। यह ड्रेस आरामदायक आकर्षण और स्त्रीत्व का एक सुंदर मिश्रण थी। रोमांटिक भागफल को बढ़ाने वाली बात थी नाजुक काउल नेकलाइन जिसने स्त्रीत्व को और निखार दिया। जान्हवी ने इस ड्रेस को ब्राउन फ्लैट्स के साथ पहना। जान्हवी ने मेकअप को छोड़ दिया और नो-मेकअप लुक अपनाया। ब्लश और लिप ग्लॉस के एक हिंट ने उनके लुक को पूरा किया। उन्होंने अपने भूरे बालों को खुला छोड़ दिया, और उनके प्राकृतिक लहराते बाल समग्र लुक के रोमांटिक स्वभाव को और बढ़ा रहे थे।

वायरल तस्वीरों में जान्हवी कपूर को अपने वाहन से उतरते और मैडॉक फिल्म्स के कार्यालय की ओर जाते हुए देखा जा सकता है। अभिनेता को अपनी कार के आगे पोज देते हुए देखा गया। उसने तस्वीरों के लिए शालीनता से आभार व्यक्त किया और अंदर जाने से पहले अपनी सबसे प्यारी मुस्कान बिखेरी। वह पपराजी से बातचीत करते हुए भी देखी गई।

फिल्म मां को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी, बिना किसी कट के हुई पास

काफी समय से अभिनेत्री काजोल फिल्म मां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वह इन दिनों फिल्म के प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। इस फिल्म के जरिए काजोल लगभग 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। अब मां को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। खास बात यह है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को बिना किसी कट के पास किया है।

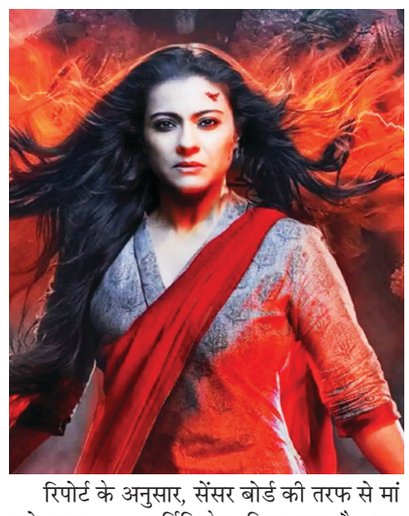

रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड की तरफ से मां को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं और 16 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी। इस फिल्म की अवधि 2 घंटे, 15 मिनट और 35 सेकंड बताई जा रही है। बता दें कि फिल्म मां की एडवांस बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी है।

काजोल फिल्म में एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए रक्षक के साथ-साथ भक्षक बन जाती है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने किया है, जो छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है। इंद्रनील सेनगुप्ता, खीरिन शर्मा, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

राजा शिवाजी में एक्ट्रेस विद्या बालन, रितेश देशमुख के साथ शामिल होंगी

इस साल की शुरुआत में, रितेश देशमुख ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट राजा शिवाजी को दर्शकों के सामने लाने के लिए जियो स्टूडियो के साथ साझेदारी की थी। अभिनेता ने न केवल मुख्य भूमिका निभाई, बल्कि एक निर्देशक के रूप में कैमरे के पीछे की जिम्मेदारी भी संभाली। उन्होंने संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फ़रदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे कलाकारों को शामिल करके मराठी सिनेमा से पैन इंडिया फिल्म के लिए कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया।

और अब, हमें विशेष रूप से पता चला है कि राजा शिवाजी की कास्ट और भी बड़ी हो गई है, क्योंकि रितेश देशमुख और उनकी टीम ने फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विद्या बालन को शामिल किया है। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, विद्या भारतीय इतिहास के सबसे साहसी अध्यायों में से एक को बताने वाली फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। राजा शिवाजी में काम करने के लिए उन्होंने तुरंत हां कह दिया और रितेश भी विद्या जैसी प्रतिभा को अपने निर्देशन में निर्देशित करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे बताया कि विद्या ने फिल्म के लिए अपना लुक टेस्ट पहले ही कर लिया है और दो सप्ताह में सेट पर शामिल हो जाएंगी। सूत्र ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए एक मजबूत अभिनेता की मौजूदगी की जरूरत थी।

और रितेश के लिए भी विद्या से संपर्क करना आसान था। राजा शिवाजी की शूटिंग जोरों पर चल रही है और निर्माता इसे 1 मई, 2026 को रिलीज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिलचस्प बात यह है कि राजा शिवाजी मराठी सिनेमा की उन बहुत कम परियोजनाओं में से एक है, जिसका लक्ष्य पूरे भारत के दर्शकों तक पहुंचना है। सूत्र ने निष्कर्ष निकाला, छत्रपति शिवाजी महाराज की कहानी महाराष्ट्र के हृदय स्थल से आनी ही थी। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरी टीम के लिए एक भावना है और वे राजा शिवाजी के जीवन पर एक ईमानदार और गंभीर नजरिया पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शादी टूटने की अफवाहों पर ऐश्वर्या शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

पिछले काफी समय से ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट की शादी में परेशानी की अफवाहें सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों टेलीविजन कलाकार अलग होने जा रहे हैं, वहीं अन्य ने आरोप लगाया कि वे पहले से ही अलग रह रहे हैं। इन सबके बीच, ऐश्वर्या ने अब एक बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि उनके नाम का इस्तेमाल नकारात्मकता या झूठी खबरें फैलाने के लिए न करें।

ऐश्वर्या ने गुरुवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, मैं लंबे समय से चुप हूं। इसलिए नहीं कि मैं कमजोर हूं, बल्कि इसलिए कि मैं अपनी शांति की रक्षा कर रही हूं। लेकिन जिस तरह से आप में से कुछ लोग ऐसी बातें लिखते रहते हैं जो मैंने कभी नहीं कही, ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जिनका मैंने कभी समर्थन नहीं किया और बिना तथ्यों या जवाबदेही के अपने प्रचार के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल करते हैं, वह बेहद दर्दनाक है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं स्पष्ट कर दूं: मैंने कोई साक्षात्कार, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है।

अगर आपके पास कोई वास्तविक सबूत है, कोई संदेश, ऑडियो या वीडियो है जिसमें मैंने ये बातें कही हैं, तो उसे दिखाएं और मेरे नाम से खबरें फैलाना बंद करें। मेरी जिंदगी आपकी पसंद की नहीं है। मेरी खामोशी आपकी इजाजत नहीं है। कृपया याद रखें कि सिर्फ इसलिए कि कोई चुप है इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है, इसका मतलब है कि वह शोर के बजाय गरिमा को चुन रहा है, उसने कहा। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा पहली बार शो गुम है किसी के प्यार में काम करते हुए मिले थे और तुरंत एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए। शो में, वे क्रमशः विराट चव्हाण और पाखी की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने 2021 में शादी की और बाद में स्मार्ट जोड़ी और बिग बॉस 17 में भी साथ में हिस्सा लिया। इस साल फरवरी में ऐश्वर्या ने वैलेंटाइन डे के मौके पर नील की तारीफ की थी। वह बात कर रही थीं, जब उन्होंने कहा, अब तक, हर कोई जानता है कि नील जानता है कि मुझे कैसे संभालना है और जब मैं संदेह में होती हूँ तो मुझे चीजों को समझने में मदद करता है। बेशक, मेरा अपना दिमाग है और हो सकता है कि मैं हर बात से सहमत न होऊँ। नील सभी समस्याओं का समाधान करता है क्योंकि वह परिपक्व है और मैं बच्चों जैसी हूँ। मुझे वह ध्यान पसंद है जो वह मुझ पर बरसाता है।

आप भी अपने घर पर आसानी से उगा सकते है एलोवेरा का पौधा

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जो न केवल घर की सजावट के लिए अच्छा है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। इस पौधे की पत्तियों में मौजूद जेल त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप सोच रहे हैं कि एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है तो आपको बता दें कि यह बहुत आसान है। आइए जानते हैं कि घर पर एलोवेरा पौधे को कैसे उगाया जा सकता है।

सही जगह का चयन करें

एलोवेरा पौधे को उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह का चयन करना होगा। यह पौधा सूरज की रोशनी पसंद करता है इसलिए इसे ऐसी जगह रखें जहां दिनभर धूप आती हो। अगर आपके पास बगीचा नहीं है तो आप बालकनी या छत पर भी इसे रख सकते हैं। ध्यान रखें कि एलोवेरा को ज्यादा देर तक सीधी धूप में न रखें, बल्कि सुबह की धूप और शाम की हल्की रोशनी ही पर्याप्त होती है।

मिट्टी का ध्यान रखें

एलोवेरा पौधे के लिए अच्छी मिट्टी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए हल्की और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी का इस्तेमाल करें। आप गार्डन सेंटर से तैयार मिट्टी खरीद सकते हैं या खुद ही घर पर बना सकते हैं। इसके लिए रेत, गोबर की खाद और थोड़ी-सी सड़ी हुई पत्तियों को मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे पौधे को पोषण मिलेगा और वह तेजी से बढ़ेगा। ध्यान रखें कि मिट्टी न ज्यादा गीली हो, न ज्यादा सूखी होनी चाहिए।

पानी देने का तरीका समझें

एलोवेरा पौधे को पानी देने का तरीका भी अहम होता है। इसे ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती क्योंकि इससे इसकी जड़ें सड़ सकती हैं। हफ्ते में एक बार या जब मिट्टी सूखी लगे तब ही पौधे को पानी दें। बारिश के मौसम में प्राकृतिक नमी मिल जाती है इसलिए इस दौरान कम पानी देने की जरूरत होती है। ध्यान रखें कि पानी देने का तरीका ऐसा हो कि पौधे के ऊपर पानी न पड़े।

खाद का उपयोग करें

एलोवेरा पौधे को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद का उपयोग करना जरूरी होता है। आप जैविक खाद जैसे गोबर की खाद या किसी अच्छे गुणवत्ता वाले रासायनिक खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाद देने का तरीका ऐसा होना चाहिए कि पौधे की जड़ों तक पहुंचे ताकि उसे सभी पोषक तत्व मिल सकें। इसके अलावा हर 6 महीने में एक बार ही खाद देना चाहिए ताकि पौधा ज्यादा न बढ़े और उसका आकार भी सही रहे।

नियमित देखभाल करें

एलोवेरा पौधे की नियमित देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। इसमें समय-समय पर पानी देना, खाद लगाना, धूप-छांव का ध्यान रखना आदि शामिल हैं। अगर आप इन सभी बातों का ध्यान रखेंगे तो आपका एलोवेरा पौधा जल्दी ही बड़ा हो जाएगा और आपको इसका कई प्रकार से उपयोग करने का मौका मिलेगा। इस तरह आप आसानी से अपने घर पर एलोवेरा पौधा उगा सकते हैं, जो आपके लिए कई फायदे लेकर आएगा।

आंखों की सूजन को दूर करने में मदद कर सकते हैं ये 5 मास्क

आंखों की सूजन एक आम समस्या है, जो नींद की कमी, तनाव और गलत खान-पान के कारण होती है। इससे आंखें थकी-थकी सी लगती हैं और चेहरा भी बेजान दिखता है। हालांकि, कुछ घरेलू आई मास्क का इस्तेमाल करके इस समस्या से राहत पाई जा सकती है। ये मास्क न केवल सूजन को कम करते हैं, बल्कि त्वचा को भी ताजगी प्रदान करते हैं। आइए आज हम आपको पांच मास्क बनाने के बारे में बताते हैं।

आलू का मास्क

आलू में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए एक कच्चे आलू को पतले टुकड़ों में काट लें और फ्रिज में ठंडा होने दें, फिर ठंडे आलू के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 15-20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है।

खीरे का मास्क

खीरा भी ठंडक देने वाला फल है, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए खीरे के पतले टुकड़े काटकर फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडे खीरे के टुकड़ों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है।

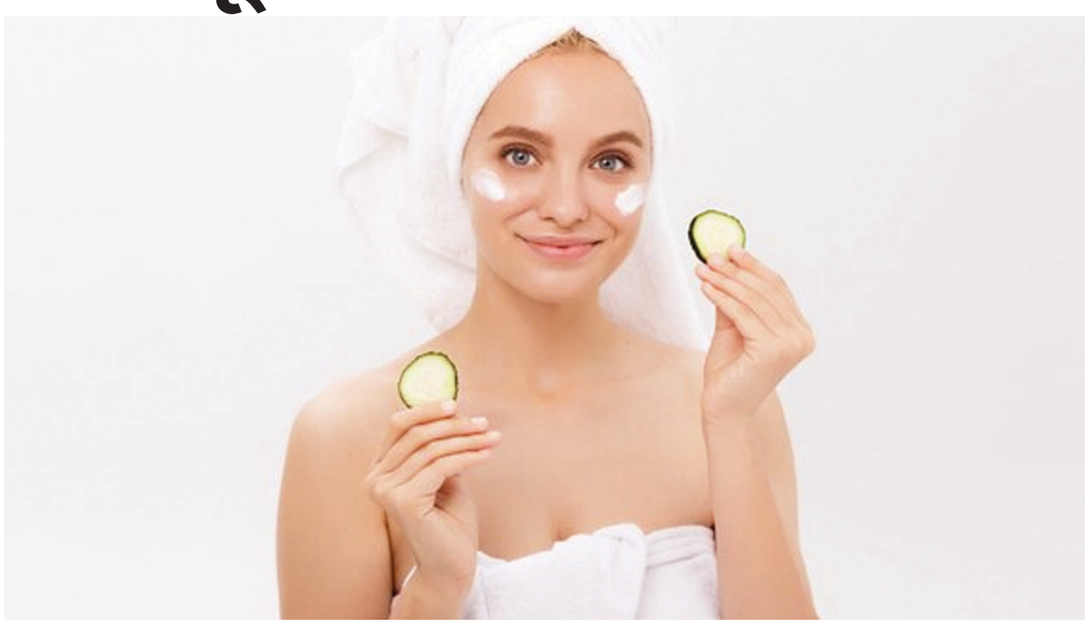

चाय की पत्तियों का मास्क

चाय की पत्तियों में मौजूद कैफीन आंखों की सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके लिए इस्तेमाल किए हुए चाय की पत्तियों को फ्रिज में ठंडा करें, फिर ठंडी पत्तियों को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

एलोवेरा जेल का मास्क

एलोवेरा जेल में ठंडक देने वाले गुण होते हैं, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके आंखों पर लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह प्रक्रिया रोजाना रात को सोने से पहले दोहराई जा सकती है। इससे आंखों की थकान दूर होती है और चेहरा भी तरोताजा महसूस होता है।

बादाम का तेल और गुलाब जल का मास्क

बादाम का तेल और गुलाब जल मिलाकर एक मास्क बनाया जा सकता है, जो आंखों की सूजन को कम करने में सहायक होता है। इसके लिए बादाम के तेल में थोड़ा-सा गुलाब जल मिलाएं और इस मिश्रण को आंखों के चारों ओर लगाएं। 10-15 मिनट तक छोड़ दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। इन घरेलू उपायों का नियमित उपयोग करके आप अपनी आंखों की सूजन को प्रभावी ढंग से कम कर सकते हैं।

मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण हेतु लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने की अवधि अब 05 जुलाई 2025 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक महानदी भवन, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है।

जो राज्य गठन के पश्चात अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है।उपार्जित धान का कस्टम मिलिंग के माध्यम से त्वरित निराकरण किया जा रहा है। भारत सरकार एवं नागरिक आपूर्ति निगम से प्राप्त चावल उपार्जन लक्ष्य के अतिरिक्त लगभग 35.00 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान के निराकरण हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा ई-नीलामी (ई-ऑक्शन) के माध्यम से विक्रय का निर्णय लिया गया है। इस हेतु एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर नीलामी की प्रक्रिया संपादित की गई। प्रथम चरण की निविदा में प्राप्त दरों को मंत्रिमंडलीय उप समिति द्वारा 29 अप्रैल 2025 को अनुमोदित किया गया था। उक्त दरों पर लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन धान का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। शेष स्टेकों के निराकरण हेतु उच्चतम बोली लगाने वाले निविदाकारों (॥-1) एवं अन्य निविदाकारों को अनुमोदित दर पर प्राइस मेचिंग का अवसर प्रदान किया गया है, जिससे शासन द्वारा पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए अतिशेष धान का निराकरण अविलंब हो सके।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 78 संग्रहण केन्द्रों में कुल 31.48 लाख मीट्रिक टन धान का भंडारण किया गया है, जिसमें से लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन का निराकरण प्राइस मेचिंग एवं ऑक्शन के माध्यम से किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग 12.57 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण शेष है। त्वरित उठाव सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला विपणन अधिकारियों एवं संग्रहण केन्द्र प्रभारियों को आवश्यक निर्देश प्रसारित किए गए हैं। संग्रहण केन्द्रों में वाहनों की आवाजाही सुगम करने एवं हमालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे धान का उठाव तेजी से हो और क्रेताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में जानकारी दी गई कि निविदाकारों को एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर पंजीयन उपरांत अमानत राशि जमा करने पर प्राइस मेचिंग करने का विकल्प उपलब्ध है। प्राइस मेचिंग करने की तिथि से 7 दिवस के भीतर निविदाकारों को सुरक्षा निधि के रूप में क्रय किए गए धान के कुल मूल्य की 3 प्रतिशत राशि जमा करनी होती है। तत्पश्चात निर्धारित अवधि के भीतर क्रेता को स्टेक का वास्तविक मूल्य ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म में जमा करना होता है। राशि विपणन संघ को प्राप्त होते ही क्रेता को लिफ्ट ऑर्डर जारी किया जा रहा है। उक्त अनुक्रम में आज आयोजित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐसे निविदाकार जिनके द्वारा ईआक्शन प्लेटफॉर्म में प्राइस मेचिंग के दौरान निर्धारित समय-सीमा में सुरक्षा निधि जमा नहीं किया जा सका है, अथवा धान का क्रय मूल्य समय सीमा में जमा नहीं किया गया है अथवा विलंब से जमा किया गया है, उन्हें अब 15 जुलाई 2025 तक की अंतिम समय-सीमा प्रदान की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने हेतु अवधि को बढ़ाकर 5 जुलाई 2025 कर दिया गया है। प्रदेश के राइस मिलरों में शासन द्वारा लिए गए इन निर्णयों के प्रति उत्साह देखा गया है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन ने इस संबंध में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल को धन्यवाद ज्ञापन भी सौंपा है।

प्राइस मेचिंग के दौरान मिलरों एवं क्रेताओं को आ रही तकनीकी समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यक मार्गदर्शन हेतु महाप्रबंधक (विपणन) की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति का गठन भी किया गया है, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर लगाया गया नया ट्रांसफार्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम जोकारी में विद्युत आपूर्ति पुनः शुरू हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को अब बड़ी राहत मिली है। विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि कुनकुरी तहसील के ग्राम जोकारी के वार्ड क्रमांक 8 में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण ग्रामीणों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या से परेशान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर तत्काल समाधान की मांग की थी। कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की, जिसके तहत विद्युत विभाग द्वारा ग्राम में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। इससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल हो गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं का तत्परता के साथ समाधान किया जाता है।

विशेषकर बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से संबंधित समस्याओं पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जा रही है।

उत्तरप्रदेश के राज्य मंत्री संजय सिंह गौड़ ने मंत्री रामविचार नेताम से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्तर प्रदेश सरकार में आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा समाज कल्याण राज्य मंत्री संजय सिंह गौड़ के नेतृत्व में चार सदस्यीय अध्ययन दल छत्तीसगढ़ राज्य के प्रवास पर है। छत्तीसगढ प्रवास के पहले दिन आज राज्य मंत्री संजय सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार के आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रामविचार नेताम से सौजन्य मुलाकात की।

मंत्री नेताम ने राज्य मंत्री संजय सिंह गौड़ का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कलाकृति, नंदी भेंट कर उन्हे सम्मानित किया। मंत्री श्री गौड़ ने मंत्री नेताम को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के विकास के लिए संचालित योजनाओं के अध्ययन के लिए आए हैं। मंत्री नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसान, गरीब, मजदूर और कमजोर वर्गों के विकास के लिए प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। उन्होंने पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्लानार, आश्रम-छात्रावास का संचालन तथा छात्रवृत्ति योजनाओं सहित कमजोर वर्गों के विकास के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से किए जा रहे कार्यो के संबंध में जानकारी दी।

मंत्रियों ने इस दौरान उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ में संचालित केंद्र और राज्य प्रवर्तित महत्वकांक्षी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की।

जीवनोपयोगी ज्ञान से ही मिलेगी सच्ची सफलता: मंत्री राजवाड़े

सूरजपुर में राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के तिलसिवां ऑडिटोरियम में आज राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हुई। उन्होंने माँ सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित किया।

इस अवसर पर श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि, शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान और जीवनोपयोगी कौशल भी उतना ही ज़रूरी हैं। आज का विद्यार्थी जितना अधिक सीखने को उत्सुक रहेगा, उसका भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।उन्होंने बच्चों को स्कूल को एक मंदिर की तरह मानने और वहां से जीवन निर्माण की प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बालवाड़ी से लेकर कक्षा 12वीं तक के 27 मेधावी विद्यार्थियों, 6 पालकों, 6 शिक्षकों तथा देहदान करने वाले सेवा निवृत्त शिक्षक सुभाष पांडेय को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कक्षा 9वीं की 5 छात्राओं को साइकिल, और 10 दिव्यांग विद्यार्थियों को सहायक सामग्री भी वितरित की गई। मंत्री राजवाड़े ने नवप्रवेशी बच्चों को पुस्तकें और गणवेश वितरित कर नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षक, पालक और प्रशासन के त्रिकोणीय सहयोग को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनिवार्य बताया।

इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, पूर्व गृहमंत्री एवं वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि देवपाल सिंह, सीईओ कमलेश नंदिनी साहू, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

सिहावा में बोल उठे चित्र, साक्षात महादेव ने दिए दर्शन, श्रृंगीऋषि के साथ वन्य जीवों का कौतुहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी इन दिनों सजने संवरने लगी है। जिले के सिहावा में माँ अभियान के तहत छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी को जिला प्रशासन द्वारा संवारने का काम शुरू हो गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के नेतृत्व और लम्बी कार्ययोजना के तहत सिहावा में महानदी के उद्गम स्थलों पर जिला प्रशासन द्वारा अनेकों काम करवाये जा रहे है। लेकिन इन दिनों श्रृंगीऋषि पर्वत स्थित गणेश घाट में चट्टानों पर बनाई गई सुंदर धार्मिक व प्राकृतिक चित्रकारी पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है, अब यह सेल्फी पॉइंट बन गया है।

छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी महानदी अब एक नए रूप में सजने-संवरने जा रही है। वनांचल सिहावा में स्थित महानदी के उद्गम स्थल श्री गणेश घाट में मां महानदी जागरूकता अभियान के तहत सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार का काम शुरू हो चुका है। सिहावा-नगरी महानदी के उद्गम स्थल को सजाने-संवारने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इसके तहत चट्टानों पर आकर्षक चित्रकारी करवाई जा रही है। गणेश घाट स्थित मंदिर के पास पहाड़ियों की चट्टानों पर धार्मिक और प्राकृतिक जीवन को दर्शाते हुए रंग-बिरंगे आकर्षक चित्र उकेरे जा रहे हैं। इनमें श्रृंगीऋषि और सप्त ऋषियों की छवियां, वन्यजीव जैसे- भालू, बाघ, तेंदुआ, हाथी, नीलगाय, बंदर और वन भैंसा, वृक्ष, फूल-पत्तियां और विदेशी पक्षियों की तस्वीरें, भगवान भोलेनाथ और नंदी की चित्रकारी की जा रही है। यह पेंटिंग्स महानदी उद्गम स्थल सिहावा-नगरी के धार्मिक महत्व को तो उजागर करती ही है, इसके साथ ही यहां की स्थानीय जैव विविधता को भी दर्शाती हैं। इन सुंदर चित्रों की वजह से आज यह क्षेत्र पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बन गया है। लोग यहां सेल्फी लेने, तस्वीरें खींचने और दर्शन करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन ने इन आकर्षक पेंटिंग्स को बनाने के लिए बिलासपुर के प्रसिद्ध आर्ट कलाकार लक्ष्मण की सेवाएं ली हैं। इन्हीं कलाकारों ने जगदलपुर रोड में केशकाल घाटी में भी आकर्षक तस्वीरे बनाई है। यही कलाकार इस बार सिहावा के पहाड़ों-चट्टानों में करीब 20 हजार फीट पेंटिंग बनाकर उन्हें नया रूप दे रहे हैं।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि जिला प्रशासन महानदी उद्गम स्थल के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए मां अभियान चला रहा है। महानदी के उद्गम स्थल नगरी-सिहावा और उसके बाद के लगभग 30 किलोमीटर एरिया में नदी की सफाई, नदी तटों की सफाई, वृक्षारोपण से लेकर सौंदर्यीकरण के कई काम कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यहां वृहद पैमाने पर रिवर वाटर कंजर्वेशन के काम भी चल रहे हैं।

कलेक्टर ने कहा कि नदी और आसपास की चट्टानों तथा श्रृंगीऋषि पर्वत की चट्टानों पर आकर्षक पेंटिंग इन्हीं कामों का हिस्सा है, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। कलेक्टर ने यह भी बताया कि महानदी उद्गम स्थल कॉरीडोर के तहत कर्णेश्वर धाम में हजारों वर्ष पुराना मंदिर, गणेश घाट भी हैं, जिनकी अलग ही धार्मिक मान्यता है। जिला प्रशासन इसे मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक की तर्ज पर विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस : नशामुक्ति के लिए जिले में निकाली गई रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के मौके पर आज जिले मे नशामुक्ति के लिए रैली निकाली गई। जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस रैली की शुरूआत जिला अस्पताल धमतरी से हुई। रेडक्रॉस सोसयटी के वॉलिंटियर्स और जिला अस्पताल के निर्सिंग प्रशिक्षुओं द्वारा निकाली गई इस नशामुक्ति रैली को नगरनिगम महापौर रामू रोहरा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इसके अलावा गौरव ग्राम कण्डेल में भी विद्यार्थियों द्वारा नशामुक्ति रैली निकाली गई। यह रैली दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति धमतरी द्वारा निकाली गई इस रैली को शासकीय माध्यमिक विद्यालय कंडेल के प्रभारी प्रधानपाठक नीलमणी बोदेले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी और दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति के सदस्यों तथा ग्रामीणजनों ने नशा विरोधी संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। यह रैली शासकीय माध्यमिक विद्यालय से होते हुए सुभाष चौक तक निकाली गई।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से संवर रहा है, पहाड़ी कोरवा जनजातियों का भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ वन क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायत बकोई के आश्रित ग्राम भेलवाडांड में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के 16 पहाड़ी कोरवा परिवारों का पक्का मकान बनकर तैयार हो चुका है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत इन सभी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ मिला है, जिससे उनका जीवन अब अधिक सुरक्षित और स्थिर हुआ है। पहले ये सभी परिवार जंगलों से लकड़ी, पत्तों और घास के सहारे झोपड़ीनुमा घरों में गुजर-बसर कर रहे थे। बरसात के मौसम में सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का भय बना रहता था। लेकिन अब पक्के मकान में रहने से उन्हें न सिर्फ मौसम की मार से राहत मिली है, बल्कि सुरक्षा और सम्मान का भी अनुभव हो रहा है।

भेलवाडांड ग्राम, उदयपुर जनपद मुख्यालय से 40 किमी और जिला मुख्यालय अंबिकापुर से 80 किमी की दूरी पर स्थित है, वहां इन परिवारों को एक साथ कालोनी रूप में बसाया गया है। स्थानीय परिवेश और संस्कृति के अनुरूप विशेष डिज़ाइन और लेआउट तैयार कर यह कालोनी बनाई गई है, ताकि परिवार अपने समुदाय के बीच सहज महसूस कर सकें। प्रत्येक आवास में शौचालय की व्यवस्था की गई है। साथ ही बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। भेलवाड़ाड़ के पहाड़ी कोरवा परिवारों को प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, महतारी वंदन योजना, नरेगा जॉब कार्ड, आदि योजनाओं से जोड़ा गया है। इसके अलावा, तीन हितग्राहियों को तीन एकड़ में पॉम ऑयल पौधारोपण एवं एक हितग्राही को एक एकड़ में फलदार पौधारोपण हेतु चयनित किया गया है, जिससे उन्हें आजीविका के साधन भी प्राप्त होंगे।

भेलवाड़ाड़ की पंच पहाड़ी कोरवा श्रीमती सुखनी ने बताया कि पहले हमारा ग्राम शासन की योजनाओं से वंचित था, लेकिन आज प्रधानमंत्री जनमन योजना से बिजली, पानी, सड़क और पक्का मकान मिला है। शासन की इस योजना से हमारा गांव विकास की मुख्य धारा से जुड़ पाया है। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए शासन प्रशासन का आभार व्यक्त किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी योजना प्रधानमंत्री जनमन के माध्यम से पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्र के वंचित समुदायों की जिंदगी में नया उजाला आया है। आवास सहायता की राशि प्राप्त होने पर लाभार्थी परिवारों में हर्ष और उल्लास का वातावरण देखा गया। अब ये परिवार न सिर्फ सुरक्षित हैं, बल्कि सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शराब के नशे में पिता ने बेटे से छुड़ाया हाथ, चलते-चलते तालाब में गिरा, डूबने से मौत

गौरेला पेंड्रा मरवाही। छत्तीसगढ़ के गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में शराब के नशे में घर लौट रहे एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मामला गौरेला थाना क्षेत्र के खोडरी चौकी अंतर्गत नवापारा गांव का है। राम सिंह नागेश नशे में था और वह तालाब में डूब गया।

जानकारी के अनुसार, राम सिंह बुधवार रात में शराब के नशे में सड़क किनारे था। उसका बेटा उसे हाथ पकड़कर घर ले जा रहा था। तालाब के पास पहुंचने पर राम सिंह ने बेटे का हाथ छुड़ाकर कहा कि वह खुद चल सकता है। इसके बाद वह चलते-चलते तालाब में गिर गया। बेटे ने सोचा कि वह घर पहुंच जाएगा और वह घर लौट गया। सुबह तक राम सिंह के घर न पहुंचने पर परिजनों ने खोडरी चौकी पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से तालाब में शव की खोज शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एनडीआरएफ बिलासपुर की टीम को बुलाया गया। टीम ने ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को तालाब से निकाला। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पानी बोतल का बढ़ाया मूल्य, रेलवे स्टेशन में टी स्टॉल सील

बिलासपुर। रेल यात्रियों को पानी बोतल के लिए ओवरचार्जिंग करने वाले वेंडिंग स्टॉल पर रेलवे प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया। उसलापुर रेलवे स्टेशन में यात्रियों को 15 रुपए में मिलने वाली पानी बोतल 20 रुपए में बेची जा रही थी। इसकी शिकायत मिलने पर जांच की गई तो आरोप सही पाया गया गया, जिसके बाद संबंधित वेंडिंग स्टॉल को सील कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, रेलवे प्रशासन के पास उसलापुर रेलवे स्टेशन में यात्रियों से पानी बोतल के लिए ओवरचार्जिंग की शिकायत मिली थी। यहां 15 रुपए में मिलने वाली पानी की बोतल को 20 रुपए में बेचा जा रहा था। इसके बाद रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें शिकायत सही पाई गई। उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करने वाले वेंडिंग स्टॉल को रेलवे प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया।

ट्रक से जा भिड़ी बाइक, 2 की मौत

महासमुंद। नेशनल हाइवे 53 पर तेज रफ्तार बाइक चलती ट्रक के पीछे जा भिड़ी। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि दोनों आरंग के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना तुमगांव थाना क्षेत्र के शेरे पंजाब होटल के पास हुई है। जानकारी के अनुसार बाइक और ट्रक गुरुवार की रात घोडारी से तुमगांव आ रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सीधे ट्रक में टकराई गई। सड़क हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई है।

नारायणपुर में 6 नक्सलियों ने किया सरेंडर, दो महिला नक्सली भी हैं शामिल, 10 लाख रुपए का था इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलविरोधी अभियान में सुरक्षाबलों को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों के लगातार प्रयासों के कारण 4 महिला एवं 2 पुरूष माओवादियों ने सरेंडर किया है। इनमें नक्सली संगठन के एरिया कमेटी सदस्य, एलओएस मेम्बर एवं पार्टी सदस्य शामिल हैं जिन्होंने समाज की मुख्य धारा में जुड़ने की शपथ ली। सरेंडर करने वाले नक्सली नारायणपुर के माड़ डिवीजन एवं अमदेई एरिया कमेटी में सक्रिय थे। इस साल अब तक कुल 110 बड़े छोटे कैडर के माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित माओवादियों को प्रोत्साहन राशि 50 हजार का चेक प्रदान किया गया और उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत् मिलने वाली सभी प्रकार की सुविधाएं दी जाएंगी।

इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी ने कहा है कि सरकार की पुनर्वास नीति के फायदे, घर, नौकरी ने इन्हें आकर्षित किया है। इन्होने आत्मसमर्पण माड़ एवं खुद की भलाई के लिए सोचा है, और ''माड़ बचाओ अभियान ने उन्हें अब एक नई आस दी है। माओवादी की विचारधारा में भटके नक्सलियों को उनके घर वाले भी वापस लाना चाहते है। हम सभी नक्सली भाई-बहनों से अपील करते हैं कि उनका बाहरी लोगों की भ्रामक बातों और विचारधारा से बाहर निकलने का समय आ गया है। अब समय माड़ को वापस उसके मूलवासियों को सौंप देने का है जहाँ वे निर्भीक

रूप से सामान्य जीवन व्यतीत कर सके।

बता दें महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय भिलाई आनंद प्रताप सिंह, बस्तर रेंज आईजी सुन्दरराज पी, राकेश कुमार उप महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल भिलाई, प्रदीप कुमार दुबे उप महानिरीक्षक सेक्टर रायपुर, अमित तुकाराम काम्बले पुलिस उप महानिरीक्षक कांकेर रेंज के मार्गदर्शन में एसपी नारायणपुर प्रभात कुमार, सेनानी 135वीं वाहिनी बीएसएफ नवल सिंह, सेनानी 133वीं वाहिनी बीएसएफ एनएस कुटियाल आदि के नेतृत्व में नारायणपुर पुलिस द्वारा आईटीबीपी, बीएसएफ, एसटीएफ की संयुक्त बल साथ माओवादियों के विरूद्ध क्षेत्र में लगातार नक्सल विरोधी ''माड़ बचाव'' अभियान चलाये जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि नक्सली समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

लगातार कैम्प स्थापित होने से बैकफुट पर नक्सली

नक्सल उन्मुलन अभियान और अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव व नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा से तंग आकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। गुरुवार को नवल सिंह कमाण्डेट 135 वाहिनी सीमा सुरक्षा बल, संजय कुमार कमाण्डेट 53वी वाहिनीं आईटीबीपी, राबिनसन गुडिया एएसपी (नक्सल ऑपरेशन), अक्षय साबद्रा एएसपी (नक्सल ऑपरेशन), सत्री आलोक तिग्गा द्वितीय कमान 135 वाहिनी सीमा सुरक्षा बल, अशोक सिंह द्वितीय कमान 38 वीं वाहिनी आईईटीपी, जयदीप अग्रवाल डिप्टी कमाण्डेंट बीएसएफ अनिल चौधरी डीसी 53 वी वाहीनी आईटीबीपी, दिनेश एसी 41 वी वाहिनी आईटीबीपी उप पुलिस अधीक्षक अरविंद किशोर खलखो, डॉ. प्रशांत देंवागन, मनोज मण्डावी, अविनाश कंवर, आशीष नेताम, कुलदीप बंजारे, अमृता पैकरा आदि के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किये।

विकास कार्यों ने भी किया है प्रभावित

माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण के पीछे माड़ और नारायणपुर जिले में लगातार चलाये जा रहे विकास कार्य तेजी से बनती सड़कें, गावों तक पहुंचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। संगठन के विचारों से मोहभंग होना, निराशा, नक्सल संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद इनके आत्मसमर्पण का बहुत बड़ा कारण है। आत्मसमर्पित माओवादी माड़ डिविजन एवं अमदेयी एरिया कमेटी क्षेत्रान्तर्गत सक्रिय रूप से कार्यरत रहे है। आने वाले समय में और भी नक्सलियों के संगठन छोड़कर आत्मसमर्पण करने की गोपनीय आसूचना है। आत्मसमर्पण कराने में नारायणपुर डीआरजी, बीएसएफ एवं आईटीबीपी, का विशेष योगदान है। इस प्रकार नक्सलियों के हो रहे आत्मसर्पण से शीर्ष माओवादी कैडर के लिए बड़ा नुकसान हुआ है। नक्सल मुक्त माड़ बचाव अभियान की कल्पना साकार रूप ले रहा है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के नाम व पद

- धनाय हलामी पिता नरसिंग उम्र 24 वर्ष जाति गोण्ड निवासी पंचायत तुषवाल थाना बारसूर जिला बीजापूर पद - अमदेई एरिया कमेटी सदस्य ईनाम-5 लाख
- दशमती कोवाची पिता उंगो उम्र 20 वर्ष जाति गोण्ड ग्राम पंचायत कोडोली थाना ओरछा जिला नारायणपूर पद - नेलनार एलओएस सदस्य- ईनामी 1 लाख।
- सुकाय उर्फरोशनी पोयाम पिता भीमा उम्र 20 वर्ष जाति माडिया निवासी कंदाडी ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा थाना कुकडाझोर पद. कुतुल एरिया पार्टी सदस्य (पीएम) ईनामी 1 लाख।
- चैतराम उसेण्डी उर्फरूषी पिता दशरू उम्र 28 वर्ष जाति माडिया ग्राम गुजनवाडा पंचायत हिकुल थाना ओरछा जिला नारायणपुर पद- सीसी गार्ड (पीएम)- ईनामी 1 लाख।
- गंगू पोयाम पिता कुम्मा उम्र 20 वर्ष जाति मुरिया निवासी पंचायत कोडोली थाना ओरछा जिला नारायणपुर छत्तीसगढ़ पद- डीवीसी गार्ड (पीएम)-ईनामी 1 लाख।
- शारी उर्फगागरी कोवाची पिता पूरोन उम्र 20 वर्ष जाति मुरिया निवासी गट्टाकाल/ किसकाल पंचायत कुतुल थाना कोहकामेटा जिला नारायणपूर छत्तीसगढ़ पद- एसीएम गार्ड (पीएम)- ईनामी 1 लाख।

पुलिस का नशे के खिलाफ बड़ा अभियान, 200 से अधिक ठेलों-गुमटियों पर की छापामार कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रायपुर पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 26 जून 2025 को शहरभर में सघन छापेमारी की। पान ठेलों, गुमटियों और सड़क किनारे दुकानों पर बिक रही नशीली और प्रतिबंधित सामग्रियों के खिलाफ यह कार्रवाई पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर की गई।

अभियान में 20 से अधिक टीमों ने शहर के करीब 200 से अधिक ठेलों और दुकानों की तलाशी ली, जिसमें 2600 नग गोगो पेपर, 400 रोल पेपर, 550 चिलम, 10 पैकेट प्रतिबंधित हुक्का फ्लेवर, 25 अन्य हुक्का सामग्री, 4 पैकेट प्रतिबंधित सिगरेट, 4 सिगार और 200 पाउच प्रतिबंधित गुटखा बरामद किए गए। बरामद सामग्रियों को मौके पर ही जलाकर नष्ट किया गया। राजेन्द्र नगर, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती, टिकरापारा, सिविल लाइन, माना, गुढ़ियारी, उरला, देवेन्द्र नगर, पंडरी, खम्हारडीह, खमतराई, आजाद चौक और सरस्वती नगर। 11 व्यक्तियों के खिलाफ थानों में वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। साथ ही, प्रतिबंधित हुक्का सामग्री बेचने वालों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई जारी है। के.के. ट्रेडर्स पर छापा शंकर नगर स्थित गोगो पेपर के डीलर एवं डिस्ट्रीब्यूटर के.के. ट्रेडर्स के गोदाम में भी छापा मारकर करीब 6000 नग गोगो पेपर जब्त किए गए हैं। संचालक एवं अन्य के खिलाफ भी मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नशीली दवाओं का भंडाफोड़, दो मेडिकल स्टोर्स का लाइसेंस रद्द

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में औषधि प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के तहत देवभगत फार्मेसी (दुर्ग शहर) और सिन्हा मेडिकल स्टोर (पाटन क्षेत्र) में दबिश देकर बिना वैध बिल और दस्तावेजों के भारी मात्रा में नारकोटिक दवाएं जब्त की गई हैं। बिना पंजीकरण बिक रही थीं नशे की दवाएं औषधि निरीक्षकों को सूचना मिली थी कि दुर्ग जिले के कुछ मेडिकल स्टोर्स में नियंत्रित औषधियाँ जैसे ट्रामाडोल, कोडीन युक्त कफ सिरप और एमटीपी किट्स अवैध रूप से बेची जा रही हैं। यह सभी दवाएं नशे और गैरकानूनी चिकित्सा गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं।

फरार आरोपी दीपक नेपाली पर दुर्ग पुलिस ने रखा इनाम, सूचना देने वालों को मिलेंगे इतने रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग एसएसपी ने वैशाली नगर थाना क्षेत्र के अपराधी दीपक नेपाली पर इनाम की घोषणा की है। दीपक नेपाली के खिलाफ वैशाली नगर थाने में धारा 296, 115(2), 351(3), 109, 3(5) बीएनएस का अपराध दर्ज है। आरोपी की सूचना देने वालों को दुर्ग पुलिस द्वारा 3 हजार रुपए नगद इनाम दिया जाएगा। सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा।

बता दें वैशाली नगर की रहने वाली प्रार्थिया स्नेहा चौबे (35) ने 21 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि रात को प्रार्थिया के पति के साथ आरोपी दीपक नेपाली, रोशन सिंह, राम प्यारे, शुभम यादव द्वारा गाली गलौज कर हाथ मुक्का लात से मारपीट कर जान से मारने की नियत से गला दबाया। सिर को जोर जोर से दीवार में पटका गया। रिपोर्ट पर थाना वैशाली नगर में धारा 296, 115(2), 351(3), 109, 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

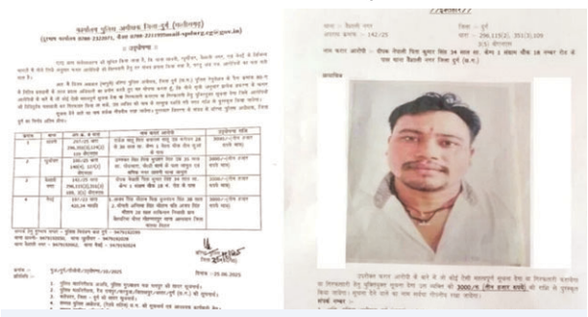

इन फरार आरोपियों पर भी इनाम घोषित

बीएनएस धारा 140(4), 127(2) के आरोपी उज्जवल सिंह पित्ता मुख्तार सिंह उम्र 35 साल सा. खेदामारा, पोल्ट्री फार्म के पास जामुत एवं श्रमिक नगर छावनी थाना जामुल निवासी लंबे समय से फरार है। इसकी सूचना देने वालों को दुर्ग पुलिय 3000 रुपए नगद इनाम दिया जाएगा। इसी प्रकार धारा 420, 34 के आरोपी अजय सिंह चौहान पिता बृजनंदन सिंह व अन्तिमा सिंह चौहान पति अजय सिंह चौहान ग्राम वेलदरिया पोस्ट मोहम्मदपुर थाना अस्थवान जिला नांलदा बिहार निवासी पर पुलिस ने तीन हजार रुपए का इनाम रखा है।

प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपी शुभम यादव, रोशन सिंह उर्फ राजा एवं रामप्यारे यादव, साकिन केम्प-01 वैशाली नगर को गिरफ्तार कर ज्युडियियल रिमाण्ड पर भेजा गया है । प्रकरण में आरोपी दीपक नेपाली जो घटना दिनांक से लगातार फरार है। उसकी पतासाजी व गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग विजय अग्रवाल द्वारा 3000 रुपए का ईनाम घोषित किया है।

दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों की तलाश तेज टोल फ्री नंबर पर दें रोहिंग्या व बांग्लादेशियों की सूचना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों, बांग्लादेशी नागरिग व रोहिंग्याओं की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस की टीमें लगातार बस्तियों में में दबिश दे रही हैं। अवैध रूप से रहे अप्रवासियों की पहचान पतासाजी के लिए दुर्ग पुलिस द्वारा नई पहल करते हुए पुलिस वाहनों पर टोल फ्री नंबर चस्पा किया गया है। आम नागरिकों द्वारा चौबीस घंटे में कभी भी टोल फ्री नंबर पर काल कर संदिग्ध अप्रवासियों की सूचना दिया जा सकता है

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार राज्य में अवैध रूप से घुसपैठ कर रहने वाले अप्रवासी नागरिकों की तलाश, पतासाजी के लिए व्यापक अभियान छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त अभियान में अवैध अप्रवासियों के संबंध में सूचना प्रदान करने पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। आम नागरिकों द्वारा अवैध रूप से नागरिक की पहचान करने एवं उनके संबंध में सूचना प्रदान करने दुर्ग पुलिस द्वारा एक नई पहल की शुरूवात किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देशानुसार दुर्ग पुलिस ने अपने सभी पेट्रोलिंग वाहन पर अवैध अप्रवासी हेल्प लाईन नंबर 18002331905 का स्टिकर चस्पा किया जा रहा है। आम लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी नागरिकों के संबंध में पुलिस को अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो सके।

अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों की संदिग्ध एवं देश विरोधी गतिविधियों को देखते हुए उनकी पहचान कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने एवं उन्हें निर्वासित करने हेतु पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा प्रत्येक जिले में स्क्वॉड का गठन किया गया है एवं व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। टोल फ्री नंबर का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के बीच लुक छिपकर निवास कर रहे अवैध रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी नागरिकों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना है, जिससे अवैध अप्रवासियों को चिन्हित कर उनके निर्वासन की कार्यवाही की जा सके।

आम नागरिकों से अपील है कि आपके आसपास अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध अप्रवासी नागरिकों के संबंध में सूचना त्वरित रूप से टोल फ्री नंबर 18002331905 पर प्रदाय करें जिससे सूचना की तस्दीकी एवं वैधानिक कार्यवाही STF एवं पुलिस द्वारा किया जा सके। टोल फ्री नंबर के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु विभिन्न सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक संस्थानों में भी पोस्टर, स्टिकर एवं बैनर लगाए गए हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाईनगर एवं STF प्रभारी सत्य प्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा एवं जिले के पेट्रोलिंग कर्मचारी उपस्थित रहे।

खून से सनी मिली महिला की लाश

खैरागढ़। जिले के ग्राम खैरबना में गुरुवार शाम एक महिला की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली है। पुलिस हत्या की आशंका जताई है। मृतका की पहचान मोहिनी साहू (उम्र 30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो दो बच्चों की मां थी। घटना उस समय सामने आई जब स्कूल से लौटे उसके मासूम बच्चे दरवाजा खटखटाते रहे और मां के न खोलने पर पड़ोसियों की मदद ली गई। दरवाजा खोलते ही कमरे के भीतर मोहिनी की खून से सनी लाश देख सब दंग रह गए। महिला की गर्दन और सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहिनी साहू के पति कीर्तन साहू की मौत दो वर्ष पहले हो चुकी है। वह हाल ही में अपने मायके पद्मावतीपुर से लौटकर खैरबना आई थी। घटना के समय उसके दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे। सूचना मिलते ही मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश गौतम, थाना प्रभारी अनिल शर्मा सहित पुलिस बल पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दिल दहला देने वाली घटना से गांव सहित पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस हत्या के कारण और आरोपी की पहचान के लिए हर पहलू से जांच में जुटी हुई है।

भाई ने किया हमला

बिलासपुर। चकरभाठा थाना क्षेत्र के ग्राम नगरौड़ी में अंतिम संस्कार के लिए निकाली गई जमीन के विवाद को लेकर चचेरे भाई रामबहादुर ने सब्बल से हमला किया। घटना में सावित्री साहू के बेटे बद्री प्रसाद घायल हो गए, जिन्हें सिम्स में भर्ती कराया गया है। सावित्री साहू के ससुर श्याम लाल साहू के अंतिम संस्कार के लिए 7 डिसमिल जमीन का बंटवारा हुआ था।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल- जुनवानी, तहसील दुर्ग, जिला दुर्ग

आम सूचना

मेसर्स हाइटेक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल प्रा. लि., डॉ विपिन अग्रवाल के आवेदन पर ग्राम जुनवानी, पटवारी हलका नंबर 43, राजस्व निरीक्षक मंडल, जुनवानी के अन्तर्गत खसरा नं. 810/4, 811/2, 811/4, 811/5 से ID, 812/, 815 रकबा 1.22 हेक्टेयर का मौका नाप श्रीमान तहसीलदार दुर्ग के आदेश दिनांक 2/5/25 के परिपालन में दिनांक 2/7/25 को 11.00 से 5.00 बजे के बीच में किया जाना है। अत: दस्तावेज रजिस्ट्री बयनामा सहित नियत तिथि पर सभी हितधारकों को उपस्थित होने के निर्देश दिये जाते हैं।

राजस्व निरीक्षक, दुर्ग

आपातकाल स्मृति दिवस पर सम्मानित हुए लोकतंत्र सेनानी, सीएम साय ने परिजनों को भी किया सम्मानित

लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणास्रोत - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। हम लोकतंत्र की फिजा में जिस आज़ादी का अनुभव कर रहे हैं, उसकी कीमत आपातकाल के दौरान कुछ लोगों ने यातना, अपमान और जेलों में समय काटकर चुकाई थी। इन लोकतंत्र सेनानियों की पीड़ा और संघर्ष को हर पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित आपातकाल स्मृति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लोकतंत्र विरोधी ताकतों से सावधान रहने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को बेड़ियों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की याद दिला दी। आपातकाल के दौरान असहनीय कष्ट सहने वाले लोकतंत्र सेनानी आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उन्होंने सच्चिदानंद उपासने द्वारा लिखित पुस्तक 'वो 21 महीने: आपातकाल' का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 25 जून 1975 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला दिन माना जाता है। आपातकाल में हजारों लोगों को बिना अपराध के जेलों में ठूंस दिया गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्होंने इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। उनके स्वर्गीय बड़े पिताजी नरहरि प्रसाद साय भी उस दौर में 19 महीने तक जेल में बंद रहे थे। उनके द्वारा सुनाए गए किस्से आज भी रोंगटे खड़े कर देते हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार लोकतंत्र सेनानियों को बेड़ियों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पुन: याद दिला दी। उन्होंने कहा कि आपातकाल में कलाकारों की स्वतंत्रता तक छीनी गई। पार्श्व गायक किशोर कुमार द्वारा सरकारी प्रचार गीत गाने से इनकार करने पर उनके गीतों पर आकाशवाणी में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान राशि देने की शुरुआत की थी, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया। हमारी सरकार ने न केवल यह सम्मान राशि पुन: प्रारंभ की, बल्कि पूर्व सरकार द्वारा रोकी गई पिछले पाँच वर्षों की बकाया राशि का भी भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ की जाएगी और उनके परिजनों को 25,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विधानसभा में एक अधिनियम पारित कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में कोई भी सरकार इस सम्मान योजना को समाप्त न कर सके।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में आपातकाल की भयावहता और लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपातकाल के 21 महीनों की प्रताड़ना और लोकतंत्र पर हुए आघात को देश के हर नागरिक तक पहुँचाना आज की पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज मीसाबंदी आंदोलन के सहभागी और उनके परिजन हमारे बीच हैं।

उन्होंने आपातकाल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि उस समय पूरे देश को एक विशाल जेल में बदल दिया गया था। लोकतंत्र के स्तंभ—न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और मीडिया—को निष्क्रिय कर दिया गया था। प्रेस पर सेंसरशिप थोप दी गई थी और सच्चाई बोलने वालों को जेलों में डाल दिया गया था।उन्होंने बताया कि देश उस समय गहरे आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा था—मंहगाई, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार चरम पर थे। जनता के भीतर आक्रोश पनप रहा था और उसी को कुचलने के लिए आपातकाल थोपा गया। उन्होंने कहा कि यदि आज लोकतंत्र जीवित और मजबूत है, तो इसका श्रेय उन सेनानियों को जाता है जिन्होंने अपार कष्ट सहकर भी संविधान और देश की आत्मा की रक्षा की। इस अवसर पर पवन साय और लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

कार्यक्रम में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक मोतीलाल साहू, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नन्द कुमार साहू, लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम 2.0: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आम का पौधा लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में राज्य स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की अगुवाई में कनकपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ, जिसमें उन्होंने आम का पौधा लगाकर हरियाली अपनाने और पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मां और प्रकृति का रिश्ता बेहद आत्मिक है। जैसे मां हमें जीवन देती है, वैसे ही पेड़ हमें स्वच्छ हवा, फल, छाया प्रदान करते हैं। उन्होंने इसे बच्चों के लिए सुरक्षित व हरे-भरे कल की नींव बताते हुए सभी को इस मुहिम से जुड़ने की अपील की। अभियान के अंतर्गत आज पूरे सूरजपुर जिले में एक साथ 2 लाख 38 हजार 994 पौधे रोपे गए। इनमें से सार्वजनिक स्थलों पर 31हजार 354, अन्य स्थानों पर 1 लाख 09 हजार 135 और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के घरों में 98 हजार 505 पौधे रोपित किए गए। इसके अलावा 45 हजार 833 प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में भी पौधारोपण किया गया। यह वृक्षारोपण अभियान व्यापक स्तर पर चलाया गया, जिसमें शासकीय स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं और विभिन्न शासकीय भवन शामिल रहे। इस कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि देवपाल सिंह, जनपद उपाध्यक्ष मनमत, राजेश यादव, संत सिंह, अजय गोयल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू व अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी सहभागिता निभाई। एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान राज्य में हरियाली को बढ़ावा देने के साथ-साथ 'जल संचय सूरजपुर' जैसे अभिनव प्रयासों को भी साकार कर रहा है। यह पहल न केवल पर्यावरणीय चेतना को जन आंदोलन में बदल रही है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में भी एक ठोस कदम बनकर उभर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को रथयात्रा की दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने इस पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ से सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महाप्रभु जगन्नाथ के धाम पुरी सहित विभिन्न स्थानों पर रथयात्रा बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली जाती है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की यह यात्रा भारत की सांस्कृतिक एकता और सौहार्द्र का सशक्त प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्राचीन काल से ही छत्तीसगढ़वासियों की भगवान जगन्नाथ में गहरी आस्था रही है। उत्कल समाज के साथ मिलकर सभी छत्तीसगढ़वासी प्रतिवर्ष भक्ति-भाव के साथ भगवान जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र और भगिनी देवी सुभद्रा की रथयात्रा निकालते हैं। यह महापर्व श्रद्धा, भक्ति और आस्था का प्रतीक है, जो हमें एकता, सद्भाव और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने खैरागढ़ जिले में गोद ग्राम सोनपुरी के विकास कार्यों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। राज्यपाल रमेन डेका दो दिवसीय दौरे पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक लेकर विकास कार्यों की जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने अपने गोद लिए ग्राम सोनपुरी में संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन जैसे बुनियादी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामीण तक पहुँचना चाहिए, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

राज्यपाल डेका ने ग्राम सोनपुरी में टमाटर की खेती की संभावनाओं को देखते हुए बाड़ी में टमाटर उत्पादन करने कहा। उन्होंने कहा कि टमाटर के अधिक उत्पादन को देखते हुए उसकी प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिले और फसल की बर्बादी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए।

जल जीवन मिशन के तहत नल-जल पहुंच सुनिश्चित करें: जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने सोनपुरी में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्रोतों की सततता बनाए रखने के लिए वर्षा जल संग्रहण, सोखता गड्ढे और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देने को कहा। राज्यपाल ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन और स्वास्थ्य केंद्रों में अधिकाधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया। उन्होंने इसे पर्यावरण और मातृत्व दोनों से जुड़ी एक संवेदनशील पहल बताया। स्कूल छोड़ चुके बच्चों की जानकारी लेते हुए राज्यपाल ने ऐसे बच्चों को दोबारा विद्यालय से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने को कहा। उन्होंने ग्रामीणों को साक्षर बनाने की भी अपील की, ताकि वे कम से कम अपना नाम लिख सकें।

दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु निर्देश

राज्यपाल रमेन डेका ने पुलिस विभाग के कार्यों की जानकारी लेते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खासकर मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई और जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने शहर में भारी वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए वाहन मालिकों को अपने चालकों को समझाइश देने को कहा। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड आदि लगाने के निर्देश दिए।

महिला समूहों की सराहना

राज्यपाल ने स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि समूहों को आवश्यक संसाधन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को और सशक्त किया जाए। राज्यपाल रमेन डेका ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तीन माह के भीतर ग्राम सोनपुरी में चल रहे समस्त विकास कार्यों की जानकारी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी योजना में कोई कमी या बाधा पाई गई, तो उसे तत्काल दूर करते हुए गुणवत्ता युक्त कार्य सुनिश्चित किया जाएगा।

भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ, नगर भ्रमण पर निकले हैं जगत के नाथ
जोड़ कर दोनों हाथ, मांगते हैं आशीर्वाद, सब पर बनी रहे कृपा, सब रहें खुशहाल

महाप्रभु श्री जगन्नाथ
रथ यात्रा
27 जून 2025
की सभी प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं....

RO-44329/92

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर...

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950